RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 188 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 28 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

'कांटा लगा गर्ल' शेफाली जरीवाला का निधन

पोस्टमार्टम की तैयारी, इंडस्ट्री में पसरा सन्नाटा

रिपोर्ट्स की मानें तो शेफाली को कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद उनके पति और एक्टर

मुंबई (एजेंसी)। 'कांटा लगा गर्ल' और 'बिग बॉस-13' की कंटेस्टेंट रहीं शेफाली जरीवाला अब हमारे बीच नहीं रहीं। 42 की उम्र में कार्डियक अरेस्ट की वजह से एक्ट्रेस का निधन हो गया है। शेफाली की अचानक मौत से उनका परिवार टूट गया है, पति और मां का रो-रोकर बुरा हाल है। सिनेमा जगत के सितारे भी एक्ट्रेस की मौत से निशब्द हैं। फैंस और सेलेब्स सभी की आंखें नम और दिल भारी है। शेफाली जरीवाला की मौत पर सस्पेंस बना हुआ है जिसके लिए उनका पोस्टमार्टम भी कराया जा रहा है।

पराग त्यागी उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गए थे। लेकिन अस्पताल पहुंचने तक शेफाली का निधन हो चुका था। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

जानकारी के मुताबाकि, बीती रात करीब 12:30 बजे शेफाली का शव अंधेरी में स्थित कूपर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। कूपर अस्पताल की एएमओ ने कहा- शेफाली का शव किसी दूसरे अस्पताल से लाया गया है, इसलिए मौत किस वजह से हुई है, इसके बारे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

जरूरतमंदों तक पहुंचाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने 200 लोगों की सुनी शिकायतें

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने नन्ही बिटिया के इलाज में मदद और आवास की व्यवस्था करने की गुहार के साथ बिटिया को गोद में लेकर बैठी महिला को भरोसा दिया कि बच्ची का अच्छे से अच्छा इलाज सरकार कराएगी।

शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना।

जनता दरबार में पहुंची एक महिला और उसके परिवार के लिए आवास की भी व्यवस्था कराई जाएगी। इसे लेकर सीएम योगी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

मुख्यमंत्री ने फरियादियों की बातें ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना से मकान दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है।

लोगों से मुलाकात के क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोद में बीमार बच्ची को लेकर कुर्सी पर बैठी महिला की समस्या सुन मुख्यमंत्री अत्यंत भावुक हो गए। महिला बच्ची के इलाज और आवास की समस्या लेकर आई थी। सीएम योगी ने उसे आश्वस्त किया कि दोनों समस्याओं इलाज और आवास की व्यवस्था, का समाधान सरकार कराएगी। इस दौरान वह मां की गोद में बैठी बच्ची को खूब दुलारते भी रहे।

जनता दर्शन में कुछ अन्य लोग भी इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

स्कॉर्पियो में आए दबंग, युवक को लाठी-डंडों से जमकर पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र में काले रंग की स्कॉर्पियो कार में सवार युवकों ने ओवरटेक कर कार को रुकवा लिया। स्कार्पियो सवार दबंगों ने लाठी-डंडों से एक युवक की जमकर पिटाई की।

ग्राम नेनुआ का राजपुर निवासी गौरव नागर ने बताया कि 23 जून को उनके भाई निखिल दनकौर से अपने घर आ रहा था जैसे ही वह दनकौर बिजली घर पर पहुंचा तो पीछे से आ रही ब्लैक रंग की स्कॉर्पियो कार में सवार युवकों ने उसकी गाड़ी को ओवरटेक का रुकवा लिया। स्कॉर्पियो से उतरे आकाश अंशुल और इंद्र ने उनके भाई निखिल के साथ लाठी डंडों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बाद आरोपी पुलिस में शिकायत करने पर जान से

जान से मारने की दी धमकी

मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मारपीट में निखिल को गंभीर चोटें आईं। निखिल को सरकारी अस्पताल ले जाकर उसका उपचार कराया गया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित के शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

ससुरालियों ने की मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक महिला ने अपने पति सहित 3 ससुराल वालों के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

दादरी निवासी शाहीन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 23 जून को उसके पति शमसुद्दीन, जेठ खुर्शीद तथा जेठानी नगमा ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़िता के मुताबिक ससुराल वालों द्वारा की गई मारपीट के बाद वह अपने भाई के साथ मायके चली आई। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

पत्नी की कराई जासूसी, नौकरी न छोड़ने पर किया प्रताड़ित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 में एक महिला ने अपने पति सहित सात लोगों के खिलाफ मारपीट व उत्पीड़न करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि पति व ससुराल वाले उसकी जासूसी करा रहे हैं। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

ग्रेटर नोएडा में रहने वाली प्रीति मिश्रा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 17 दिसंबर 2023 को द्वारका नई दिल्ली निवासी आशुतोष मिश्रा के साथ हुई थी शादी के बाद वह अपने पति के साथ कश्मीर घूमने गई थी। यहां उसकी तबीयत खराब हो गई थी जिसको लेकर उसके पति ने उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की।

शादी के कुछ समय बाद ही उसके ससुराल वालों ने उस पर नौकरी छोड़ने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसके इनकार करने पर उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता के मुताबिक 15 फरवरी 2024 को उसकी ताई की मृत्यु हो गई इसके बावजूद भी उसे मायके नहीं जाने दिया गया। पीड़िता के अनुसार उसके साथ आए दिन मारपीट की जाने लगी इसके बाद वह है अपने मायके चली आई। उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ससुराल वालों ने एक जासूस को उसके पीछे लगा दिया। 25 अक्टूबर 2024 को उसने पुलिस को अनजान व्यक्ति द्वारा पीछा करने की सूचना दी। पुलिस द्वारा उक्त व्यक्ति को मौके पर पकड़ लिया गया। उक्त व्यक्ति ने बताया कि उसके पति व ससुराल वालों के कहने पर वह उसकी जासूसी कर रहा है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

तमंचे के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध असलाह के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तमंचा कारतूस से लैस बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे थे। थाना बीटा-2 प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त कर रही थी। अंसल कट के पास एक युवक पुलिस को देखकर सकपका कर जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने युवक को दबोच कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम विशाल सिंह पुत्र रामचंद्र निवासी पश्चिम बंगाल बताया।

वहीं थाना जारचा पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर सैंथली गांव के पास से एक युवक को तमंचा सहित गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाश अपना नाम मोनू पुत्र अहमद निवासी घोड़ी बछेड़ा बताया पुलिस ने दोनों बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया है।

सुपरटेक केपटाउन सोसायटी के एओए पदाधिकारियों पर मुकदमा दर्ज

खुले नाले में डाल रहे गैर शोधित सीवेज : आरपी सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा गैर शोधित सीवर का गंदा पानी खुले नाले में डालने पर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग ने सेक्टर-74 सुपरटेक केपटाउन सोसायटी के एओए पदाधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

नोएडा प्राधिकरण के जल खण्ड-1 के प्रबंधक पवन बरनवाल ने सेक्टर-113 थाने में लिखित तहरीर में कहा कि सोसायटी में मानकों के अनुरूप एसटीपी प्लांट संचालित नहीं हो रहा है तथा गैरशोधित सीवेज का गंदा पानी खुले नाले में डाला जा रहा है जिससे पर्यावरण पर खतरा बढ़ रहा है तथा एनटीपीसी के नियमों को खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। यह भारतीय न्याय संहिता के आर्टिकल 272 का उल्लंघन हो रहा है। इसी क्रम में सोसायटी के खिलाफ 358000 सैंतीस लाख अस्सी हजार का जुर्माना भी लगाया गया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

गैस कटर से एटीएम मशीन को काटते और फिर निकाल लेते थे पैसा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना विजयनगर पुलिस टीम द्वारा चोरी/एटीएम लूट की घटना को अंजाम देने वाले 2 बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से छोटा सिलेण्डर, एक ऑक्सीजन सिलेण्डर, लाल मिर्ज पाउडर, माचिस, पाईप, धारदार हथियार एवं घटना में इस्तेमाल मोटर साइकिल एवं अवैध अस्लाह व कारतूस बरामद हुआ है।

थाना विजयनगर पुलिस ने दिल्ली एनसीआर में गैस कटर से एटीएम मशीन काटने (शेष पृष्ठ-4 पर)

दुकान के कर्मी को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के रूपवास गांव में फास्ट फूड की दुकान पर काम करने वाले युवक के साथ दुकान मालिक व उसके साथी ने मारपीट की। युवक का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने दुकान मालिक से काम करने के बाद पैसे मांग लिए थे। शिवराज सिंह की फास्ट फूड की दुकान पर काम करता है। 26 जून को उसने शिवराज से पैसे मांगे जिसपर शिवराज ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी उसने जब गाली देने का विरोध किया तो शिवराज ने अपने दोस्त के साथ मिलकर उसकी पिटाई कर दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली से आकर नोएडा में चुराता था मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया है इसके पास से चोरी की बाइक व चाकू बरामबद हुआ है।

पुलिस ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर 40-41 के बीच जाने वाली रोड के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक पर आ रहे एक युवक को पुलिस ने जांच के लिए रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस कर्मियों ने उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम दीपक कुमार पुत्र मिंटू पोद्दार निवासी बिहार बताया। दीपक कुमार ने बताया कि उसने यह मोटरसाइकिल कुछ समय पहले ग्रेटर नोएडा से चोरी की थी। पकड़े जाने के डर उसने नंबर प्लेट तोड़ दी थी। इसी मोटरसाइकिल से वह दिल्ली से नोएडा आता जाता है बाइक को कहीं सुरक्षित जगह पर खड़ी करके भीड़भाड़ वाले स्टैंड पर खड़ा होकर चढ़ने वाले सवारियों की जेब से मोबाइल फोन चोरी करता है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ओएसडी ने सुनी सेक्टर-51 की समस्याएं

बंद नाली व घर-घर कूड़ा उठाने पर हुई चर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 में मानसून के पूर्व बंद नालियों तथा डोर-टू-डोर कचड़ा उठाने की समस्या को लेकर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश ने बैठक की।

आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने ओएसडी के समक्ष सेक्टर की विभिन्न समस्याएं रखीं। खासतौर पर जनस्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया।

ओएसडी ने सेक्टरवासियों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही सभी बंद नालियों व नालों की सफाई करा दी जाएगी तथा घर-घर कूड़ा उठाने वाले को कड़े निर्देश दिये जाएंगे।

इस मौके पर सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए के आरडब्ल्यूए के महामंत्री संजीव कुमार समेत सभी पदाधिकारी तथा सदस्य मौजूद थे।

रेनवाटर हार्वेस्टिंग की सक्रिय रिपोर्ट न देने पर लगेगा 5 लाख का जुर्माना : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों से कहा कि वर्षा ॠतु को ध्यान में रखते हुए रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए। सभी से रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय होने की रिपोर्ट प्राप्त की जाए और जिनके द्वारा रिपोर्ट नहीं दी जा रही उनके विरुद्ध 05 लाख रुपए का जुर्माना लगाने की कार्रवाई अमल में लाई जाए।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की

महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 64 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 33 आवेदनों को स्वीकृत किया जाना है, 5 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 06 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को अग्रसारित किया गया है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

आतंकवाद का प्रहार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क्विंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल,भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सदस्य देशों को उन देशों की आलोचना करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। निस्संदेह, संगठन ने भारतीय पक्ष पर ध्यान न देकर अपने मंसूबों को उजागर किया है। ऐसे में संगठन के सदस्य देशों में विश्वास, मित्रता और संबंधों को मजबूत बनाने के लक्ष्य पूरा होना संदिग्ध ही है। दरअसल, रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था, जिसने 'आतंकवाद विरोधी' प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना की थी। साथ ही उसके सेना प्रमुख के लिये लाल कालीन बिछाया था। वही संदेश एससीओ की बैठक में रक्षामंत्री ने चीन को दिया है। भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपने कूटनीतिक प्रयासों को धार देनी चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि फिर उसने मेघनाद को बुलवाया और सिखा-पढ़ाकर उसके बल और देवताओं के प्रति बैरभाव को उत्तेजना दी। (फिर कहा-) हे पुत्र ! जो देवता रण में धीर और बलवान हैं और जिन्हें लड़ने का अभिमान है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तिन्हहि जीति रन आनेसु बाँधी। उठि सुत पितु अनुसासन काँधी॥
एहि बिधि सबही अग्या दीन्हीं। आपुनु चलेउ गदा कर लीन्ही॥

उन्हें युद्ध में जीतकर बाँध लाना। बेटे ने उठकर पिता की आज्ञा को शिरोधार्य किया। इसी तरह उसने सबको आज्ञा दी और आप भी हाथ में गदा लेकर चल दिया॥

चलत दसानन डोलति अवनी। गर्जत गर्भ स्त्रवहिं सुर रवनी॥
रावन आवत सुनेउ सकोहा। देवन्ह तके मेरु गिरि खोहा॥

रावण के चलने से पृथ्वी डगमगाने लगी और उसकी गर्जना से देवरमणियों के गर्भ गिरने लगे। रावण को क्रोध सहित आते हुए सुनकर देवताओं ने सुमेरु पर्वत की गुफाएँ तकीं (भागकर सुमेरु की गुफाओं का आश्रय लिया) ॥

दिगपालन्ह के लोक सुहाए। सूने सकल दसानन पाए॥
पुनि पुनि सिंघनाद करि भारी। देइ देवतन्ह गारि पचारी॥

दिक्पालों के सारे सुंदर लोकों को रावण ने सूना पाया। वह बार-बार भारी सिंहगर्जना करके देवताओं को ललकार-ललकारकर गालियाँ देता था॥

(क्रमशः...)

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा।

किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां

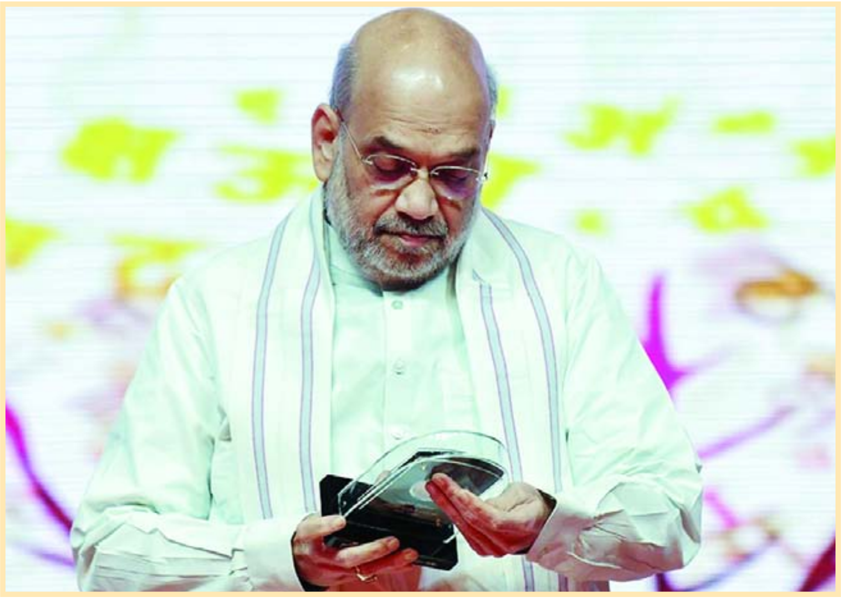

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी।

रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है।

आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है। बेशक राजभाषा विभाग के लिखित उद्देश्य में इसका जिक्र नहीं है। लेकिन राजभाषा विभाग को इस दिशा में भी काम करना होना। उसे सोचना होगा कि गैर हिंदीभाषी राज्यों के मन में हिंदी को लेकर जो गांठ बन रही है, उसे किस तरह दूर किया जा सकता है। राजभाषा विभाग को देखना होगा कि हिंदी के नजदीक दूसरे राज्यों के लोग कैसे आ सकते हैं।

अपनी प्रमुख पुस्तिका हिंद स्वराज में गांधीजी ने हिंदी को ही स्वाधीन भारत की भाषा माना था। उन्हें पता था कि तमिलनाडु जैसे गैर हिंदीभाषी राज्य इसका विरोध कर सकते हैं। इसलिए 1918 के इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में हिंदी के पांच सेवकों को दक्षिणी राज्य में प्रचार के लिए भेजा था, जिनमें एक उनके बेटे देवदास गांधी भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इसके बाद केरल हिदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद जैसी कई संस्थाएं बनी और हिदी को सहज स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करने लगीं। यह बिडंबना ही कहा जाएगा कि राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद का मुख्यालय महाराष्ट्र के वर्धा में है और महाराष्ट्र में ही हिंदी को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है।

राजभाषा विभाग के कई उद्देश्य हैं, जिनमें राज्य विशेष के उच्च न्यायालय की कार्यवाही में अंग्रेजी भाषा से भिन्न किसी अन्य भाषा का सीमित प्रयोग शुरू कराने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी पाना, केंद्रीय कर्मचारियों के लिए हिंदी शिक्षण योजना चलाना, जरूरी पत्र-पत्रिकाओं और संबंधित साहित्य का प्रकाशन आदि है। राजभाषा विभाग ने इन मोर्चों पर काम किया भी है। लेकिन राजभाषा विभाग को इससे इतर भी भूमिका तलाशनी होगी। केंद्रीय कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ ही आम लोगों की हिंदी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा को तोड़ने की दिशा में भी राजभाषा विभाग से प्रयास की उम्मीद की जाती है। चूंकि हिंदीप्रेमी अमित शाह गृहमंत्री हैं, लिहाजा राजभाषा विभाग को अपनी इस भूमिका के लिए शासन से जरूरी सहयोग मिल सकता है। अपनी पचासवीं सालगिरह पर राजभाषा विभाग को इस दिशा में सोचना होगा।

-उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

मानसिक शांति को प्रभावित करती सोशियल डंपिंग

दरअसल आज अपनी समस्याओं का बोझ दूसरे पर लादने का दौर चल निकला है। खासतौर से सोशियल मीडिया का अधिकतम उपयोग आज इसी काम में होने लगा है। डिजिटलीय भाषा में कहो जाएं तो यह दौर इमोशनल डंपिंग का चल निकला है। कहने को तो यह कहा जाता है कि यदि आप किसी परेशानी में हो तो मन को हल्का करने के लिए अपनी समस्या को किसी संगी साथी से साझा करलें, इससे दो लाभ है एक तो तनाव से तात्कालीक मुक्ति मिल जाती है दूसरी और हो सकता है कि सामने वाला कोई सकारात्मक हल निकाल दें। पर कहा यह भी जाता है कि अपना दुख दर्द उसी से साझा करें जो आपके प्रति गंभीर हो। आपके दुख दर्द को सुनकर सहानुभूति के स्थान पर आपको मजाक का कारण तो नहीं बना दे। इमोशनल डंपिंग इससे थोड़ी अलग स्थिति है और आज यह बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रही है। होने यह लगा है कि अपने मन मस्तिष्क का बोझ हम आसानी से दूसरे पर ड़ाल देते हैं। यह भी नहीं सोचा जाता है कि जिससे आप साझा कर रहे हैं वह इस स्थिति में है भी नहीं कि आपकी समस्या के प्रति कुछ कर सके। हो तो यह रहा है कि हम हमारे किस्से, दुख, तकलीफ या अन्य अच्छे बुरे समाचार मोबाइल, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, शार्टस या इसी तरह के किसी अन्य माध्यम से दूसरे पर थोप देते हैं और जाने-अनजाने में दूसरा व्यक्ति इमोशनल डंपिंग का शिकार हो जाता है। आज हालात तेजी से गदलते जा रहे हैं।

मनोविज्ञानियों के सामने आज इमोशनल डंपिंग बड़ी समस्या के रुप में सामने आ रहा है। बदलते सामाजिक परिवेश में इमोशनल डंपिंग का दायरा बढ़ता जा रहा है तो लोग इमोशनल डंपिंग के आसानी से शिकार भी होते जा रहे हैं। हांलाकि हमारे यहां माना जाता रहा है कि कहने से दुख घटता है पर यह भी कहा जाता है कि अपनी दुख तकलीफ उसे सुनाओं जो सुन सके। आज का दौर लगभग उलटा होता जा रहा है हम हमारी दुख तकलीफ या हमारी बात किसी पर थोपने के लिए उसकी और विभिन्न माध्यमों से धकेल देते हैं और अब समस्या सामने वाले की हो जाती है। दूसरे की मनोस्थिति व परिस्थितियों को समझने की कोशिश ही नहीं होती। यह हालात ज्यादा अच्छे नहीं कहे जा सकते और इसके नकारात्मक परिणाम अधिक आने लगे हैं। इमोशनल डंपिंग में दरअसल जो श्रोता है वह प्रभावित होता है।

मनोविज्ञानी डॉ. रैडल टर्नर का मानना है कि इमोशनल डंपिंग आज समाज को नकारात्मक दृष्टि से प्रभावित कर रही है। आज संप्रेषण या संवाद के विभिन्न माध्यमों से हम अपनी भड़ास निकाल लेते हैं और सामने वाले की मनोस्थिति को समझने का प्रयास ही नहीं करते। अगला व्यक्ति इस समय किन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके पास आपकी भड़ास सुनने का समय भी है या नहीं, या आपकी भड़ास का निदान कर सकता है या नहीं आपकी समस्या से जूझने की क्षमता भी है या नहीं। यह अपने आपमें एक समस्या हो जाती है। इमोशनल डंपिंग देखा जाए तो पूरी तरह से नकारात्मक और एकतरफा तरीका है और यह आज इस कदर हाबी हो गया है कि आसानी से आज व्यक्ति इससे दो चार हो रहे हैं। दरअसल सामने वाले व्यक्ति को हम आउटलेट समझ कर उसके साथ व्यवहार करते हैं। कहीं वह अपने आपको अपराधी जैसा समझने लगता है। एक तरह से सामने वाला व्यक्ति आब्जेक्ट के रुप में मानने लगते हैं। उसकी परिस्थितियों और वह आपकी बात से साझा होना भी चाहता है या नहीं उससे इमोशनल डंपिंग करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता। यह नए जमाने की नई तरह की समस्या बनती जा रही है। सोशियल मीडिया पर जब इस तरह की चीजें साझा की जाती है तो सामने वाले के साथ आपका भावनात्मक संबंध भी नहीं होता, ऐसे में सामने वाला थोड़ा संवेदनशील है तो एक तरह के तनाव से गुलरने लगता है। सोचता है ऐसा कैसे हो गया। क्या कारण रहे। या इसका समाधान तो आसानी से हो सकता है या अन्य किसी तरह से सोच सकता है। पर इस तरह का इमोशनल डंपिंग सामने वाले व्यक्ति पर नकारात्मकता के भाव पैदा करता है और वह कभी कभार तनाव के दौर से गुजरने लगता है। इसीलिए कहा जाता है कि भाई दिल पर मत लो। अब जब दिल पर मत लो की भावना होगी तो फिर आपकी भड़ास के मायने क्या रहेंगे।

इमोशनल डंपिंग का सीधा सीधा मतलब यह है कि अपनी बात डंप करते समय या यों कहें कि साझा करते समय सामने वाले की मनोदशा, सहमति, असहमति, समय, विषय या अन्य से डंप करने वाले को कोई लेना देना नहीं रहता और आज यही हो रहा है। ऐसे में इमोशनल डंपिंग के शिकार लोगों के प्रति मनोविज्ञानी गंभीर चिंतन मनन में लगे हैं। वहीं इग्नोर करने, दूसरी बातों में ध्यान लगाने, अवसर मिलने पर सामने वाले को असहमति से अवगत कराने और उसे अनावश्यक संवाद के लिए इशारों में मना करने की हिम्मत भी जुटानी होगी क्योंकि दूसरे को मुसिबत में सहायता कोई बात साझा करने में और इक तरफा भड़ास निकालने में अंतर होता है। स्वयं तनाव के बोझ से मुक्त होने के लिए दूसरे को तनाव में ड़ालना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। नहीं तो जिस तेजी से आज इमोशनल डंपिंग का दौर चला है वह आने वाले समय में और भी अधिक गंभीर और समाज के लिए नकारात्मकता फैलाने वाला हो जाएगा। ऐसे में सोशियल मीडिया के उपयोग के समय उसमें रम जाने की मानसिकता को छोड़ना होगा। रील्स या शार्टस में प्रस्तुत सामग्री के प्रति अधिक गंभीर होने की आवश्यकता नहीं रह जाती है क्योंकि उसके समय व विश्वसनीयता प्रश्नों के घेरे में हमेशा बनी रहती है। एक तरह से यह तो भावनात्मक ब्लेकमेलिंग का माध्यम बनता जा रहा है। दूसरा यह कि जो सामग्री आपको विभिन्न प्लेटफार्म से मिल रही है उसे गंभीरता से लेने की इसलिए आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि उस सामग्री पर प्रतिक्रिया के चक्कर या प्रतिक्रियाओं के चक्रव्यूह में फंसने से आपमी मानसिक शांति भंग होना स्वाभाविक है। इसलिए दिमाग पर अधिक बोझ ड़ालने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राशिफल

आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष तृतीया — (विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रु परास्त होंगे। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भावनाओं पर काबू रखें। लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
गृह कलह के संकेत हैं। यद्यपि घरेलू सुख बढ़ चढ़कर आप भोगेंगे और भूमि भवन वाहन की खरीदारी भी संभव है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
किया गया प्रयास सफलतादायक होगा, जो आपने सोचा है, जो आपने डिजाइन किया है, उसको इंप्लीमेंट करिए।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन हानि के संकेत हैं इसलिए निवेश अभी वर्जित रहेगा। वाणी पर विराम दें क्योंकि आपस में कौटुंबिक हलचल मच सकती है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। सरकारी तंत्र का लाभ होगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
यात्रा का योग बनेगा। थोड़ा सा मान सम्मान पर ठेस न पहुंचे इस बात का ध्यान रखिएगा। बाकी स्वास्थ्य अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का साथ मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा पहले से बेहतर।

जिला कलेक्ट में हुई श्रम बंधुओं की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मासिक जिला श्रम बंधु की बैठक जिला कलेक्ट सभागार सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर जिलाधिकारी मनीष वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उप श्रम आयुक्त राकेश द्विवेदी व सहायक आयुक्त सुभाष यादव ने कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बैठक में सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने विभिन्न विवादों में जारी वसूली प्रमाण पत्रों में दर्शाई गई धनराशि को शीघ्र वसूलकर श्रमिकों को भुगतान करवाने, मेरठ ट्रिब्यूनल न्यायालय द्वारा पारित आदेश का पालन करवाते हुए संबंधित सभी माली व सफाई कर्मचारियों को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में कार्य पर बहाल करवाने व 46 करोड़ 36 लाख 80 हजार रुपये वसूलकर श्रमिकों को भुगतान कराए जाने व मैसर्स-भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड सेक्टर-16 ए, नोएडा, अंबुजा सीमेंट लिमिटेड दादरी, एक्सीलेंट टूल्स एण्ड कॉम्पोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, विनायक एक्सपो प्लाजा लिमिटेड, महावीर अप्रैल, शिव नादर यूनिवर्सिटी, निप्पोंन टियूब्ल लिमिटेड, लिस्टर मोएस्त्रर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आर एफ बी लेटेक्स लिमिटेड, नियो क्राफ्ट ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड आदि उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं को रेखांकित करते हुए उनका समाधान किए जाने की मांग किया। बीएचईएल संस्थान में चल रही श्रम समस्याओं पर क्षेत्रीय श्रम आयुक्त केंद्रीय के उदासीनता पूर्ण रवैया अपनाए जाने को रेखांकित करते हुए कहा कि दो महीने से अधिक समय हो गया श्रमिक धरनारत है और 01 से 03 जुलाई 2025 को हड़ताल कर तालाबंदी किए जाने का आंदोलन प्रस्तावित है लेकिन उक्त का भी क्षेत्रीय श्रम आयुक्त केंद्रीय द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उक्त उद्योग में किसी भी प्रकार की श्रम अशांति या घटना होगी तो उसके लिए क्षेत्रीय श्रम आयुक्त केंद्रीय हरि ओम गौतम पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

उक्त सभी मुद्दों का जिला अधिकारी द्वारा समाधान कराए जाने का आश्वासन ट्रेड यूनियनों नेताओं को दिया और अधिकारियों को कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। इसी तरह इंटक नेता डॉक्टर के पी ओझा, एचएमएस नेता आरपी सिंह, एक्टू नेता अमर सिंह, सीटू नेता रामस्वारथ, ग्रेटर नोएडा माली एवं सफाई कामगार यूनियन के नेता रामकिशन सिंह, टीकम सिंह, ज्ञानचंद, बाली आदि ने श्रमिकों के मुद्दों/समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण कारियों का तांडव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के ग्रीन बेल्ट व चौबीस मीटर रोड पर अवैध कब्जे से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से की है, लेकिन अभी तक अतिक्रमण नहीं हट पाया है।

वहीं जब अर्बन विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक मनोज सचान से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया जबकि लोगों का कहना है कि यह अतिक्रमण वरिष्ठ प्रबंधक मनोज सचान के इशारे पर किया गया है और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारी इन अतिक्रमण कारियों से हर महीन सुविधा शुल्क के नाम पर मोटी रकम वसूल करते हैं। इसके पहले भी जब मनोज सचान सर्किल-3 में थे तो उस समय भी वह विवादों के घेरे में रहे हैं।

मदर डेयरी बूथ का हुआ उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर पी-3 में मंदिर के सामने मदर डेयरी बूथ का उद्घाटन कल क्षेत्रीय विधायक धीरेन्द्र सिंह ने फीता काटकर किया। अब यह सुविधा सभी सेक्टरवासियों को मिलेगी। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए पी-3 के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, अमित भाटी, अनिल शर्मा,मास्टर हेमराज सिंह, नरेंद्र सिंह तेवतिया, ओ.पी. शर्मा, अश्वनि यादव, अमित चौधरी, रामबीर सिंह, डी पी सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

टूटी सड़क को किया दुरूस्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। तुगलपुर गांव में टूटी सड़क को कल मरम्मत कराकर उसे बनवा दिया गया। बतातें चलें कि टूटी सड़क की शिकायत वर्क सर्किल-4 के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश निम से की गई थी। जिस पर उन्होंने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल रोड की मरम्मत कराकर उसे दुरूस्त करा दिया। इसको लेकर ग्रामीणों में वरिष्ठ प्रबंधक राजेश निम का आभार व्यक्त किया है।

सेक्टरवासी सांसद से मिले

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर डेल्टा-1 के निवासियों ने सांसद डॉक्टर महेश शर्मा से मुलाकात की और सेक्टर की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। पिछले एक हफ्ते पहले कावेरी बिल्डर द्वारा सेक्टर डेल्टा-1 की दीवार तोड़ दी गई सेक्टर वासियों ने विरोध किया तो बिल्डर ने बाहर से बाउंसर बुलाकर सेक्टर वासियों को धमकाया सेक्टर वासियों ने बिल्डर के खिलाफ थाने में जाकर स्त्रद्वह्र दर्ज कराने के प्रार्थना पत्र दिया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई

इस अवसर पर मुकेश दीक्षित, जितेंद्र भाटी,ऋषिपाल विनोद नगर कमल सिंह सरदार सरबजीत धीरज मीणा मुकेश शर्मा श्यामवीर भाटी आशीष चौहान नवीन शर्मा रिषेनर यादव गजेंद्र सिंह आदि लोग पहुंचे।

आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर के उद्यमियों ने मनाया एमएसएमई दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रॉयल हैबिटेट सेंटर के सभागार में आईआईए ग्रेटर नोएडा के सदस्यों ने एमएसएमई दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि मनीष कुमार वर्मा जिलाधिकारी, विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार, उपायुक्त उद्योग, MSME विकास एवं प्रोत्साहन विभाग, ओखला दिल्ली कार्यालय से डॉ आर के भारती (जॉइंट डायरेक्टर) मौजूद रहे।

कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत आईआईए के चेयरमैन राकेश बंसल ने किया।

बार एसोसिएशन ने मनाया जिला न्यायालय का 27वां स्थापना दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय का 27 वां स्थापना दिवस धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर जहां एक तरफ बार के वरिष्ठ अधिवक्ताओं से केक कटवाकर उनका सम्मान किया गया वहीं दूसरी ओर न्यायिक अधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं के द्वारा शुभकामना संदेश कार्ड भी जारी किया गया। जिसके उपरांत सभी अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को केक खिलाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी एडवोकेट के द्वारा की गई और संचालन सचिव अजीत नागर के द्वारा किया गया।

जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र सिंह भाटी एडवोकेट ने बताया कि जिला गौतमबुद्धनगर की स्थापना के बाद 27 जून 1999 को जिले में जिला न्यायालय की स्थापना की गई थी। जोकि फेस-2 स्थित किराए के भवन में प्रारंभ की गई थी। जहां शुरूआती दौर में मात्र 6 कोर्ट संचालित की गई थी। वहीं जनपद गाजियाबाद और बुलंदशहर से आए करीब 100 अधिवक्ताओं के द्वारा खुले आसमान के नीचे विधि व्यवसाय प्रारंभ किया गया था। जिसके बाद आज जिले का न्यायालय अपने 26 वर्ष पूर्ण कर 27 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसी के मध्य 1 जनवरी 2012 को जिले में वर्तमान न्यायालय परिसर सूरजपुर स्थापित हुआ और वर्तमान में देश के बड़े जिला न्यायालय परिसर में सुमार है। लेकिन इस सब के बीच आने वाली तमाम ऐतिहासिक तिथियों एवं अपने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इन्हीं तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बार एसोसिएशन के द्वारा सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं महिला अधिवक्ताओं को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। वहीं केक काटकर एक दूसरे को बधाई एवं शुभकमानाएं प्रेषित की गई। प्रमेंद्र सिंह भाटी एडवोकेट ने कहा कि 26 वर्ष के समय में वरिष्ठ जनों के सहयोग, उनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन सभी युवा साथियों को मिलता रहा है और भविष्य में भी विधि व्यवसायरत अधिवक्ता वरिष्ठ अधिवक्ताओं से प्रेरणा लेते रहेंगे। वर्तमान में अधिवक्ताओं के लिए क्रेच और महिला बार रूम का नक्शा जिला जज के सहयोग से बन गया है। जल्द ही वह जिला जज महोदय के सहयोग से मूरत रूप लेगा। वहीं चैंबर विहीन अधिवक्ताओं के लिए नए चैंबर निर्माण हेतू उत्तर प्रदेश सरकार तथा अन्य सरकारी संस्थानों के माध्यम से बहुमंजिला चैंबर का निर्माण कराया जाएगा। ताकि भविष्य में अधिवक्ता व वादकारियों को सहूलियत हो सके। इसके अलावा अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए योजना लाने हेतू बार एसोसिएशन कार्यशील है। इसी के साथ साथ जिला न्यायलय परिसर में कमर्शियल कोर्ट व लारा कोर्ट की स्थापना हेतू भी लगातार प्रयास चल रहा है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से इंद्रवीर सिंह भाटी पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र नागर पूर्व अध्यक्ष राव संजय भाटी पूर्व अध्यक्ष,रामशरण नागर,देवी शरण शर्मा पूर्व डीजीसी सिविल विपिन भाटी पूर्व अध्यक्ष,चरणजीत नागर डी जी सी रेवेन्यू,सुशील भाटी पूर्व अध्यक्ष गजराज नागर पूर्व सचिव अजीत भाटी,उदयभान मलिक वरिष्ठ अधिवक्ता सुंदर भाटी चरण सिंह भाटी, ओमप्रकाश मधुर,मांगे राम भाटी कपिल शर्मा प्रमोद शर्मा नीरज भाटी, श्याम सिंह भाटी, नीरज चौहान हेमंत राघव आदेश बंसल नीरज सुनपुरा सुरेंद्र बसोया महावीर बसोया बेगराज नागर पवन भाटी विशाल नागर अमित मुखिया, महेश गुप्ता के के भाटी इंसाद अली, देवेंद्र कुमार फरीद अरुण नागर डैरी मच्छा, विपिन भाटी,कुलदीप चौधरी, दीपक चौधरी, रोहित भाटी, के के भाटी, अमित भाटी, कृष्ण भाटी, निशांत शर्मा,शिवा त्यागी, अंकुश शर्मा,प्रिंस भाटी, सचिन भाटी, राजीव भाटी,नितिन बैसोया, नितिन कपासिया,विशाल त्यागी, रोहित ठाकुर, रोहित चौधरी,दीपक प्रधान, राखी छोकर,हेमा प्रजापति आदि अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर प्रदेश ने लगाई बड़ी छलांग, जीडीपी हुई 31 लाख करोड़

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश ने विकास के मामले में बड़ी छलांग लगाई

है। उत्तर प्रदेश की जीडीपी यानि सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर 31 लाख करोड़ रूपए तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश की इस बड़ी छलांग की जानकारी खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश का निर्यात 2 लाख करोड़ रूपए से अधिक का हो गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में एक बड़े कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर किया गया था। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित लोकभवन में आयोजित इस खास कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी जानकारी दी। उन्होंने उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति का खाका सबके सामने रखा। उन्होंने बताया कि पिछले आठ वर्षों में यूपी की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 2017 में प्रदेश का निर्यात मात्र 80 हजार करोड़ रुपये था, जो आज 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। प्रति व्यक्ति आय 46 हजार रुपये से बढ़कर 1 लाख 20 हजार रुपये और जीडीपी 12 लाख 75 हजार करोड़ से बढ़कर 31 लाख करोड़ रुपये हो गई है। सीएम योगी ने कहा कि यह प्रगति बेहतर कानून व्यवस्था और सभी समुदायों को समान अवसर देने के कारण संभव हुई है।

विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने यूथ अड्डा का लोकार्पण, सीएम युवा मोबाइल ऐप का शुभारंभ और बरेली व मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपये की ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सभी समुदायों के युवाओं को समान अवसर प्रदान करने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को जाहिर किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से ही फुरसत नहीं थी, जिसके कारण प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले का यूपी दंगों के रूप में, माफिया गिरोह के रूप में, बेटी और व्यापारी के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश के रूप में जाना जाता था। पिछली सरकारों की उपलब्धि जातीय संघर्ष करा कर परिवारवाद के नाम पर एक जनपद एक माफिया देने की रही है। इसके चलते जनता के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा कि यूपी ने 24 जनवरी 2018 में पहली बार अपने स्थापना दिवस का आयोजन किया। 1950 में यूपी की स्थापना होने के बाद से लेकर 2018 तक कभी प्रदेश के स्थापना दिवस का आयोजन नहीं हुआ, क्योंकि पिछली सरकारों को जातीय संघर्ष कराने और इसके आधार पर प्रदेश को पहचान का संकट खड़ा करने से फुरसत ही नहीं थी। वे सब अपने परिवार के लिए कार्य कर रहे थे, प्रदेश से उनका कोई मतलब नहीं था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यूथ अड्डा का लोकार्पण किया, जिसे यूपीकॉन द्वारा नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। यह मंच सभी जातियों और समुदायों के युवाओं को अपने व्यवसायिक विचार साझा करने, बैंकों से ऋण सहायता प्राप्त करने और अनुभवी मेंटर्स से मार्गदर्शन लेने का अवसर प्रदान करेगा। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार जाति, क्षेत्र या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करती। हर युवा की प्रतिभा को मंच देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। सीएम युवा मोबाइल ऐप के शुभारंभ के साथ, सरकार ने युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सभी समुदायों के युवाओं को बिना किसी जातिगत भेदभाव के प्रशिक्षण, ऋण, और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सुनिश्चित करेगा कि कोई भी युवा सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए

मजबूर न हो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इस बात पर विशेष जोर दिया कि उनकी सरकार का लक्ष्य जातिगत भेदभाव को समाप्त कर हर युवा और कारीगर को समान अवसर प्रदान करना है। उन्होंने विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के जरिए बताया कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव एमएसएमई आलोक कुमार, एसएलवीसी के कोऑर्डिनेटर शैलेन्द्र कुमार सिंह सहित एमएसएमई विभाग के अधिकारीगण सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर औद्योगिक आख्यान खैमई अलीगढ़ की पांच औद्योगिक इकाइयों और उनके प्रतिनिधियों को आवंटन पत्र वितरित किया। इस दौरान मेसर्स मैक्स बोल्ट एनर्जी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के सत्येन्द्र शुक्ला और विशाल गुप्ता, मेसर्स मानसरोवर इंगट प्राइवेट लिमिटेड की अदिति और अंशिका मित्तल, मेसर्स मैडवाई इंडिया के पवन ओझा, मेसर्स प्रभा इंटरनेशनल के अतुल शर्मा, मेसर्स गायत्री बिल्डिंग मैटेरियल के कुलदीप आर्य को आवंटन पत्र वितरित किया। यूपी के प्रोडक्ट को अधिक से अधिक जीआई टैग मिले इसके लिए मुख्यमंत्री के समक्ष आयुक्त उद्योग के. विजयेन्द्र पांडियन और ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन के पद्मश्री डॉ रजनीकांत के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एमएसएमई प्रोत्साहन नीति के लाभार्थियों को चेक वितरित किया। इसमें मेसर्स स्किम ग्लासेज़ वाराणसी से प्रशांत लालवानी, जय मां दुर्गा प्लाईवुड इंडस्ट्रीज रायबरेली के जितेन्द्र बहादुर सिंह, मां अम्बे राइस मिल महाराजगंज के राजेश मधेशिया, सावित्री इंडस्ट्रीज गोरखपुर के गोविंद प्रसाद, तिरुपति बालाजी प्रिंट पैक प्रालि संत कबीर नगर के नमन वैश्य को डमी चेक वितरित किया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत वाराणसी की अदिति सिंह, गोरखपुर के दुर्विजय, लखनऊ के पवन कुमार मिश्रा, बाराबंकी के ललित कुमार, बाराबंकी के दिवाकर तिवारी, लखनऊ की गरिमा पांडेय को डमी चेक वितरित किया। ओडीओपी वित्त पोषण योजना के अंतर्गत सीतापुर के अफसर अली, बाराबंकी के श्रवण कुमार, रायबरेली के राजेश कुमार त्रिपाठी, उन्नाव के मोहम्मद नदीम, लखनऊ की रेखा मलानी को डमी चेक वितरित किया। ओडीओपी ट्रेनिंग टूलकिट योजना के अंतर्गत रायबरेली के रंजीत कुमार, लखीमपुर खीरी की कुमारी जया, अमेठी के गोविंद यादव, कौशाम्बी के विनोद कुमार, मीरजापुर के बहादुर को टूलकिट वितरित किया।

हर जनपद, हर समुदाय की पहचान बना ओडीओपी

मुख्यमंत्री ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के तहत बरेली और मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन फैसिलिटेशन सेंटर (सीएफसी) परियोजनाओं का लोकार्पण किया। सीएम योगी ने कहा कि आज ओडीओपी के माध्यम से हर जनपद की विशिष्टता को वैश्विक मंच मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना ने सभी जातियों के कारीगरों और उद्यमियों को समान अवसर प्रदान किए हैं, जिससे मुरादाबाद का ब्रास, भदोही का कालीन और लखनऊ की चिकनकारी जैसे उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं।

रोजगार और समावेशिता का आधार बना एमएसएमई

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 2 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं, जिनमें सभी जातियों और समुदायों के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बिना भेदभाव के इन इकाइयों को पांच लाख रुपये का सुरक्षा कवच और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है। यूपी देश में एमएसएमई में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 55 हजार युवाओं को 5 लाख रुपये का ब्याज-मुक्त ऋण और 10 प्रतिशत सरकारी अनुदान प्रदान किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि हमने इन युवाओं का चयन उनकी प्रतिभा के आधार पर किया, न कि उनकी जाति या क्षेत्र के आधार पर। इस योजना ने सभी समुदायों के युवाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर दिया है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान से हुआ परंपरागत कारीगरों का उत्थान

सीएम ने बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 1 लाख से अधिक परंपरागत कारीगरों को टूलकिट और सस्ते ऋण प्रदान किए गए हैं। ये कारीगर विभिन्न जातियों और समुदायों से हैं, जिन्हें पहले उपेक्षित किया जाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने हर गांव और कस्बे के कारीगरों को सम्मान और अवसर दिया है, ताकि वे अपनी कला को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह शो यूपी के एमएसएमई उत्पादों को वैश्विक खरीदारों तक पहुंचाने का मंच प्रदान करेगा। सीएम योगी ने कहा कि पिछले दो संस्करणों की सफलता ने दिखाया कि यूपी के उत्पाद, चाहे किसी भी समुदाय के कारीगरों द्वारा बनाए गए हों, विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। इस अवसर पर 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो से संबंधित एक लघु चलचित्र का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी के 77 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है और 75 नए आवेदनों पर कार्य चल रहा है। इसके लिए ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, ताकि सभी समुदायों के हस्तशिल्पियों के उत्पादों को संरक्षित किया जा सके। सीएम योगी ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारी विरासत पर कोई और दावेदारी न कर सके।

पृष्ठ एक के शेष....

जरूरतमंदों को...

मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

'कांटा लगा गर्ल' ....

पुलिस ने अपने बयान में कहा- शेफाली का शव अंधेरी स्थित उनके घर पर मिला था पुलिस को शनिवार रात 1 बजे एक्ट्रेस के निधन की सूचना मिली थी। इसके बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए कूपर अस्पताल भेज दिया गया था। उनकी मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

रेनवाटर हार्वेस्टिंग की....

शेष 20आवेदन में संबंधित प्राधिकरणों से आख्या प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपद में भू-जल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू-जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए और यदि अनापत्ति प्रमाण प्राप्त करने के बावजूद उनके द्वारा वाटर रिचार्ज को लेकर यदि कोई गतिविधि नहीं की जा रही तो संबंधित का अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त की जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनपद में कहीं पर भी अवैध रूप से भूजल का दोहन न हो सके इसके लिए अधिकारीगण विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम चलाते हुए भूजल को सुरक्षित रखने हेतु आम जनमानस को जागरूक करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, प्राधिकरण, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुपरटेक केपटाउन सोसायटी....

जल विभाग ने तत्काल एओए पदाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की लिखित शिकायत की है।

गैस कटर से ......

वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए एमएमजी गाजियाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना विजयनगर पुलिस माधौपुर तिराहे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया लेकिन दोनों संदिग्ध मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगे। पुलिस ने जब उनका पीछा किया तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। अंधेरे का फायदा उठाकर एक बदमाश मौके से भाग निकला। जबकि एक बदमाश मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में कबीर पुत्र नवाब निवासी मोहल्ला पठानकोट थाना बडौत जिला बागपत को गिरफ्तार किया। जबकि कॉबिंग के दौरान सचिन चौधरी पुत्र विजेंद्र निवासी गाजियाबाद को पकड़ा।

गिरफ्तार बदमाशों ने बताया कि वह लोग दिल्ली एनसीआर में मोटरसाइकिल चोरी करके इलाके में स्थित एटीएम मशीन को गैस कटर का प्रयोग करके काटकर उसे पैसे निकाल लेते थे तथा आपस में बांट लेते थे।

पत्नी की कराई जासूसी,....

पीड़िता ने थाना बीटा-2 में अपने पति आशुतोष मिश्रा, दिनेश कुमार मिश्रा, सुधा मिश्रा , वैभव मिश्रा, प्रियंका कौशिक, अभिषेक कौशिक व अजय के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

दिल्ली से आकर....

दीपक ने बताया कि वह पूर्व में बैटरी ऑटो चला कर अपना जीवन यापन कर रहा था। कमाई कम तथा शराब की लत की वजह से उसने बस स्टैंड व बसों में सवारियों के मोबाइल फोन चोरी करने शुरू कर दिए। मोबाइल फोन चोरी करने के बाद वह चोरी के बाइक से वापस दिल्ली चला जाता था और चोरी किए गए फोन को दिल्ली में अनजान लोगों को बेच देता था। फोन बेचकर मिले रूपयों को वह अपने शौक पर खर्च करता था।

डेंगू-मलेरिया नियंत्रण के लिए निजी चिकित्सकों को क्लीनिकल गाइडलाइंस पर विशेष प्रशिक्षण

गौतमबुद्धनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी गौतमबुद्धनगर डॉ नरेंद्र कुमार ने बताया की डेंगू एवं मलेरिया उपचार एवं प्रबन्धन कार्यशाला में निजी चिकित्सकों, नर्सिंग होम संचालकों को डेंगू, चिकुनगुनिया एवं मलेरिया रोगियों के बेहतर उपचार व प्रबन्धन का प्रशिक्षण दिया गया

गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड (जी0सी0पी0एल0) के वित्तीय सहयोग से संचालित तकनीकी सहयोगी संस्था पाथ सीएचआरआई के तकनीकी सहयोग सेनिजी क्षेत्र के चिकित्सकों एवं नर्सिंग होम संचालकों का डेंगू, चिकुनगुनिया व मलेरिया रोगियों के उपचार व प्रबन्धन को लेकर द गौरस् सरोवर प्रीमियर-गौर सिटी में प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में भारत सरकार द्वारा निर्गत डेंगू, चिकनगुनिया सिनिकल मैनेजमेंट गाइडलाइंस-2023 एवं मलेरिया ट्रीटमेंट गाईडलाइन 2013 पर भारत सरकार द्वारा आयोजित मास्टर प्रशिक्षक कार्यशाला में एलश्एलश्आरश्एमश मेडिकल कालेज, मेरठ से आई मास्टर प्रशिक्षक डॉ. अनुपमा वर्मा द्वारा डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया पर कार्यशाला में आए जनपद के समस्त निजी नर्सिंग होम, निजी क्लिनिक एवं निजी चिकित्सालयों से कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सक/ फिजीशियन/चिकित्साधिकारी को प्रशिक्षित किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा डेंगू के उपचार के सम्बन्ध में बताया कि प्लेटलेट की कमी डेंगू पीड़ितों की मौत का कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि डेंगू बुखार एक मच्छर जनित रोग है। यह चार प्रकार के डेंगू वायरस में से किसी एक के कारण होता है, जो एक संक्रमित मादा एडीज ऐजीपटाई अथवा एडीजएलवोपिकटस मच्छर के काटने से फैलता है। डेंगू के सामान्य लक्षणों में तेज बुखार, नाक बहना, त्वचा पर हल्के लाल चकत्ते, खांसी और आंखों के पीछे और जोड़ों में दर्द शामिल हैं। हालांकि कुछ लोगों को लाल और सफेद धब्बेदार चकत्ते विकसित हो सकते हैं, जिसके बाद भूख में कमी, मतली, उल्टी आदि हो सकती है। डेंगू से पीड़ित मरीजों को चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए, आराम करना चाहिए और बहुत सारे तरल पदार्थ पीना चाहिए। बुखार को कम करने और जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए पैरासिटामोल लिया जा सकता है। हालांकि, एस्पिरिन या इबुप्रोफेन नहीं लिया जाना चाहिए क्योंकि वे रक्तस्राव के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने कार्यशाला में आए समस्त चिकित्सकों को रोगियों के उपचार एवं प्रबंधन में उनके स्तर पर अच्छी सेवा देने एवं समस्त रोगियों की सूचना यूडीएसपी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से सूचित करने का आग्रह किया, साथ ही अवगत कराया कि समय से सूचना प्रेषित किए जाने के कारण रोगी के घर एवं उसके आस पास सभी प्रकार की अंतर्विभागीय निरोधात्मक कार्यवाही एवं एक्टिव केस सर्च की गतिविधि संपादित की जाती है ताकि रोग के प्रसार को रोका जा सके।

एल0एल0आर0एम0 मेडिकल कालेज, मेरठ से आई मास्टर प्रशिक्षक डॉ0 अनुपमा वर्मा ने कार्यशाला में प्रतिभागियों को भारत सरकार के स्तर से निर्गत डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया पर प्रशिक्षित किया।

डॉ0 अनुपमा वर्मा ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2024 में मलेरिया से कोई भी मृत्यु नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश में 2027 तक मलेरिया उन्मूलन के दिशा में कार्य किया जाना है, जिससे कि मलेरिया के संचरण को रोका जा सके तथा वर्ष 2030 तक मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। मलेरिया संचरण को रोकने हेतु सरकार द्वारा उठाये गये कदमों एवं उसके प्रबन्धन पर प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला मे जिला चिकित्सालय गौतम बुद्ध नगर की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ रेनू अग्रवाल भी उपस्थित रही, जिन्होंने निजी चिकित्सकों की राष्ट्रीय दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रशिक्षण की सराहना की एवं प्रशिक्षण की महत्वत्ता बतायी साथ ही भविष्य मे डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया रोगियों के उपचार करते समय इन दिशा निर्देशों का अनुपालन करने पर जोर दिया।

कार्यशाला मे उपस्थित जिला मलेरिया अधिकारी डॉ श्रुति ने अर्ली डाइग्नोसिस एण्ड प्रॉम्प्ट ट्रीटमेंट (अर्ली डायग्नोसिस एंड प्रॉम्प्ट ट्रीटमेंट) के विषय मे बताया, उन्होंने बताया कि सभी बुखार के रोगियों की त्वरित मलेरिया की जांच आवश्यक है एवं धनात्मक पाए जाने पर मलेरिया पैरासाइट के प्रकार के अनुसार रोगी की आयु के हिसाब से निर्धारित आमूल उपचार तुरंत दिया जाना है, साथ ही रोगी की सूचना तत्काल जिला मलेरिया इकाई को प्रेषित की जाए ताकि रोगी के उपचार का फॉलो-अप कराया जा सके एवं रोगी के घर के आस-पास निरोधात्मक कार्यवाही व ऐक्टिव केस सर्च की गतिविधि संपादित कराई जा सके।

पाथ-सी0एच0आर0आई0 की ओर से आए राष्ट्रीय सलाहकार डॉ अचिंत्य श्रीवत्स ने भारत सरकार द्वारा निर्गत नवीन क्लीनिकल गाइडलाइंस पर निजी चिकित्सकों के प्रशिक्षण के महत्व को बताया एवं गाइडलाइंस के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

राज्य स्तर से पाथ-सी0एच0आर0आई0 से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, मलेरिया डॉ अमृत शुक्ला भी उपस्थित रहे। डॉ शुक्ला ने बुखार से ग्रस्त रोगियों की त्वरित मलेरिया की जांच व धनात्मक पाए जाने पर तत्काल पूर्ण आमूल उपचार प्रदान करने को कहा साथ ही यह भी बताया की समस्त जाँचे गए रोगियों की दैनिक सूचना यूडीएसपी पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड भी की जाए। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा के द्वारा बताया गया की यू0डी0एस0पी पर समस्त डेंगू एवं मलेरिया केसों का अंकन अवश्य किया जाए ताकि केस बेस्ड एक्टीविटी समय से की जा सकें।

इस कार्यशाला में तकनीकी सहयोग संस्था पाथ-सी0एच0आर0आई0 की रीजनल कोआर्डिनेटर डा0 आफिरा मंजूर, जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ0 टीकम सिंह, डी0आई0ओ0 डा0 उवैद कुरेशी भी उपस्थित रहे।

खास खबर

ब्रिटेन एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा

द हेग। ब्रिटेन परमाणु बम ले जाने में सक्षम 12 अमेरिका में बनाए गए एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा और नाटो के साझा हवाई परमाणु मिशन में शामिल होगा। प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने यह घोषणा की। सरकार ने इसे एक पीढ़ी में ब्रिटेन की परमाणु स्थिति की सबसे बड़ी मजबूती करार दिया। स्टार्मर ने नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने के दौरान यह घोषणा की। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे नाटो में ब्रिटेन का एक और मजबूत योगदान बताया। शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद 1990 के दशक में ब्रिटेन ने विमानों से गिराए जाने वाले परमाणु हथियारों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया। अब इसके परमाणु शस्त्रागार में पनडुब्बी-आधारित मिसाइल शामिल हैं। केवल तीन नाटो सदस्य झ अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस परमाणु शक्ति संपन्न हैं, जबकि सात देश गठबंधन के परमाणु मिशन में योगदान के तहत ऐसे जेट विमान उपलब्ध कराते हैं जो या तो पारंपरिक हथियार ले जा सकते हैं या यूरोप में जमा करके रखे गए अमेरिकी बी61 बम ले जा सकते हैं।

कोचिंग क्लास में नाबालिग से यौन शोषण

पुणे। महाराष्ट्र में पुणे की कोचिंग क्लास में नाबालिग छात्रा से यौन शोषण का मामला सामने आया है। ये गंभीर आरोप कोचिंग के ही दो प्रोफेसर्स पर लगाए गए हैं। गुरुवार देर रात पुलिस में पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया। आरोपी प्रोफेसर विजय पवार, बीड के कोचिंग उद्योग में एक प्रमुख व्यक्ति और कोचिंग क्लासेस एसोसिएशन के एक पदाधिकार और प्रोफेसर प्रशांत खटावकर कई महीनों तक 12वीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ कर रहे थे। पुलिस में की शिकायत के मुताबिक जुलाई 2024 में खटावकर ने पीड़िता को कक्षा के बाद अपने केबिन में बुलाया और छेड़छाड़ की। जब उसने संस्थान के निदेशक को घटना की सूचना दी, तो उन्होंने भी छात्रा के साथ दुर्व्यवहार किया, जो मई 2025 तक जारी रहा। पीड़िता ने गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों प्रोफेसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

महिला पर पेड़ गिरने से मौत

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में जमीन विवाद में एक महिला की मौत हो गई। घटना से गुस्साए परिजनों ने चंडीगढ़ मनाली फोरलेन को जाम कर दिया। हालांकि पुलिस के समझाने पर लोगों ने जाम खत्म कर दिया। पुलिस हत्या के मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बिलासपुर की ग्राम मल्यावर के टिहरा गाँव में दो पक्षों में जमीन विवाद चल रहा था और इस विवाद में 67 साल की महिला रोशनी देवी पत्नी रत्न लाल की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को एक पक्ष ने विवादित भूमि पर जेसीबी से खुदाई शुरू कर दी तो रोशनी देवी मौके पर पहुंची। इस बीच खुदाई के दौरान अचानक एक पेड़ गिरा तो महिला मशीन और पेड़ के बीच फंस गई और उसकी मौत हो गई। परिवार ने आरोप लगाया कि रोशनी को जानबूझकर मारा गया और पहले जेसीबी की बकेट से गिराया गया था। घटना के बाद परिवार महिला को सिविल अस्पताल ले गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर गांव में तनाव बढ़ गया और परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए शव को उठाने से इनकार कर दिया।

धर्मशाला में नहीं थम रही बारिश

5 मजदूरों के मिले शव, 3 की तलाश जारी

एजेंसी

धर्मशाला। हिमाचल के कांगड़ा जिले के मनूणी खड्ड में आए फ्लैश फ्लड में हाईड्रो प्रोजेक्ट के आठ मजदूर बह गए थे। 25 जून को हुए हादसे को लेकर दो दिन से चल रहे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के सर्च ऑपरेशन में अब तक पांच मजदूरों की लाशें बरामद कर ली गई हैं। अब भी तीन लोगों की तलाश जारी है। गुरुवार को खड्ड से तीन और शव बरामद किए गए। इससे पहले, बुधवार को दो शव मिले थे। अब शवों की पहचान भी हो गई है। अब शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ है। चिंता की बात ये है कि यहां मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है और फिलहाल बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। जानकारी के

अनुसार, गुरुवार को पूरा दिन बीच-बीच में बारिश खलल डालती रही। उधर, 4 शवों की पहचान कर दी गई है। इनमें चैन सिंह (20) पुत्र मुल्क राज निवासी गांव कुमाड़ी भल्ला डोडा, जम्मू-कश्मीर और आदित्य ठाकुर पुत्र शिव कुमार निवासी गांव राख चंबा हिमाचल शामिल है। एक मजदूर के शव की अभी पहचान नहीं हो पाई। एएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि इस घटना में चंदन पुत्र प्रदीप निवासी सोहनपुर, उत्तर प्रदेश और प्रदीप वर्मा पुत्र रामकांत वर्मा, निवासी सोहनपुर देवरिया, उत्तर प्रदेश का शव भी बरामद कर लिया गया है। चंबा निवासी लवली को जंगल रे रेस्क्यू कर बचा लिया गया है। खनियारा में आई बाढ़ को लेकर एडीएम शिल्पी वेक्टा ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और बाकी लापता लोगों की तलाश में टीमें मौके पर डटी हुई हैं। उन्होंने बताया, 27-28 जून को फिर से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इसे देखते हुए उन्होंने टूरिस्ट और स्थानीय लोगों को नदी नालों के आसपास नहीं जाने की सलाह दी है। वहीं इस हादसे में जान बचाकर मौके से भागे युवक लवली ने बताया कि वो रात भर जंगल में रहे और बेहद ही डरे और सहमे हुए थे मगर स्थानीय प्रशासन ने उनके पास पहुंचकर उन्हें नया जीवन दिया है, उन्होंने घटना का आंखों देखा हाल भी बयान किया। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश में मानसून के दौरान मौसम की विपरीत परिस्थितियों के दृष्टिगत सभी उपायुक्तों को सतर्क रहने और आमजन के लिए चौबीस घंटे उपलब्ध रहने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने गुरुवार को शिमला से वर्चुअल माध्यम से प्रदेश में मौसम की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी उपायुक्तों से आपदा प्रभावित लोगों के लिए राहत एवं पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नदी-नालों के निकट रह रहे लोगों विशेषकर प्रवासी मजदूरों की पहचान करने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर पुनर्वास करने को कहा।

त्रिशूर में पुरानी इमारत ढही, दबने से तीन प्रवासी मजदूरों की मौत

एजेंसी

त्रिशूर। मध्य केरल के त्रिशूर जिले के कोडकारा इलाके में शुक्रवार सुबह एक पुरानी इमारत ढह जाने से तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब सभी मजदूर काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे। इमारत में 17 प्रवासी श्रमिक रह रहे थे, जिनमें से 14 इमारत से सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। यह घटना सुबह करीब छह बजे घटी और बचाव अभियान में करीब ढाई घंटे का समय लगा।

मीडिया रिपोर्ट में अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मलबे में फंसे दो लोगों को बचाया जा सका क्योंकि वे सतह के करीब थे। तीसरे व्यक्ति को बाहर निकालने में ज्यादा समय लगा, क्योंकि वह कंक्रीट स्लैबों के नीचे दबा था। बचाव अभियान में तीन इकाइयां तैनात की गई थीं। पुलिस ने बताया कि पहले दो लोगों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जांच की जा रही है कि घटना के पीछे क्या कारण था। मौके पर मौजूद एक राजस्व अधिकारी ने बताया कि श्रम विभाग के अधिकारियों को शीघ्र मौके पर पहुंचकर यह बताने को कहा गया है कि इतने सारे श्रमिकों को इमारत में रहने की अनुमति क्यों दी गई।

लखनऊ में अवैध असलहा फैक्टरी का भंडाफोड़

158 कारतूस और कई हथियार बरामद, सात एयरगन, प्रतिबंधित पशु की खाल मिली

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पुलिस ने मलिहाबाद इलाके के एक घर में संचालित अवैध असलहा फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यहां से अलग-अलग बोर के 158 कारतूस, तीन पिस्टल, तमंचा, रायफल, सात एयरगन समेत हथियार बनाने के उपकरण आदि बरामद किये हैं। पुलिस ने अवैध असलाह फैक्टरी संचालक को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त उत्तरी, गोपाल चौधरी ने शुक्रवार को यहां एक पत्रकार वार्ता में बताया कि मलिहाबाद के मिजार्गंज निवासी सलाऊद्दीन उर्फ लाला के घर पर अवैध असलहों के बनाने व तस्करी की सूचना मिली थी। इस

पुलिस ने इलाके के पूर्व सिनेमाघर के पास से एक व्यक्ति को पकड़ लिया ।तलाशी के दौरान उसके पास से आठ जिंदा कारतूस बरामद किये। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार उसकी पहचान पूर्व सिनेमाघर तिराहा, मिजार्पुर थाना व कस्बा मलिहाबाद निवासी सलाऊद्दीन उर्फ लाला के रूप में हुई। उससे कड़ाई से पूछताछ के बादमलिहाबाद और रहीमाबाद की थाना पुलिस ने सयुंक्त कार्रवाई करते हुए गुरुवार की रात के उसके ठिकाने पर छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस ने उसके घर से 158 कारतूस बरामद हुआ हैं, जिनमें 315 बोर के 18 कारतूस, 68 कारतूस 22 बोर, 40 कारतूस 22 बोर, 12 बोर के 30 कारतूस, 32 बोर के दो कारतूस के अलावा सात एयरगन, तीन पिस्टल समेत अन्य तमंचा, छह बांका, दो छूरी, नौ फरसा व गडांसा और हिरन की खाल आदि बरामद हुई।छानबीन के दौरान पुलिस को आरोपित के बारे में पता चला है कि वह दवा की दुकान चलाता है। उसकी दो बेटियां है। बड़ी बेटी नार्वे में तो दूसरी बेटी परिवार के साथ रहकर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपित ने यह स्वीकारा है कि अवैध असलहा अपने घर पर बनाता है।

सहायक ड्रग कंट्रोलर के घर ईडी का छापा

नई दिल्ली। धर्मशाला में तैनात सहायक ड्रग कंट्रोलर निशांत सरीन के ठिकानों से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड में सरीन के आवास से 40 से अधिक बैंक खाते, तीन लॉकर, और 60 से ज्यादा महंगी शराब की बोतलें बरामद की गईं। साथ ही उनके पास एल-50 लाइसेंस भी मिला है, जो होम बार रखने के लिए जारी किया जाता है। खास बात है कि ईडी इस बात की जांच कर रही है कि आखिर अधिकारी को बार का लाइसेंस लेने की क्या जरूरत पड़ी। ईडी ने इस मामले से जुड़ी जानकारी राज्य के आबकारी विभाग को भी लिखित रूप में भेज दी है। शराब की बोतलों को हाल ही में आबकारी विभाग के सुपुर्द किया गया है और अब जांच का दायरा अन्य पहलुओं तक बढ़ा दिया गया है।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत एक बालिका को चाइल्ड लाइन कानपुर को किया सुपुर्द

कानपुर । उप निरीक्षक अंजना सिंह को 26 जून 2025 को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक बालिका मिली, जिसने अपना नाम गीता कुमारी (पुत्री राम विनय शर्मा, निवासी वार्ड नंबर 5, डुमरा पोस्ट हार्डिया, थाना सिंगिहा, जिला समस्तीपुर, बिहार) बताया। उसे आरपीएफ पोस्ट पर लाकर महिला स्टाफ की देखरेख में सुरक्षित रखा गया और तत्काल अग्रिम कार्रवाई हेतु चाइल्ड लाइन कानपुर को सूचित किया गया। सूचना मिलने पर चाइल्ड लाइन सुपरवाइजर गौरव सचान व कोऑर्डिनेटर प्रीति तिवारी पद्ध्रद्द पोस्ट कानपुर सेंट्रल पहुंचे। आरपीएफ महिला कांस्टेबल सुनीता ने बालिका का प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्राथमिक देखभाल के पश्चात, उनके फोटोग्राफिक रिकॉर्डिंग के साथ कानपुर बाल कल्याण समिति के समक्ष सुपुर्द किया। रेलवे सुरक्षा बल, ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते अभियान के तहत हर में असहाय नाबालिग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय रेल सभी यात्रियों से अपील है कि यदि वे किसी भी नाबालिग को असहाय अवस्था में देखें, तो तुरंत आरपीएफ स्टाफ , रेल हेल्पलाइन 139 या अपने नजदीकी स्टेशन स्टाफ को सूचित करें

खामेनेई को मारना ही लक्ष्य था ढूंढने पर भी नहीं मिला: इजरायल

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल ने दावा करते हुए कहा है कि ईरान के प्रमुख नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मारना इजरायल का लक्ष्य था, लेकिन उनकी किस्मत अच्छी थी कि उन्हे ढूढंने के बाद भी वे नहीं मिले। ये बात इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने कही। इजरायल ने यह भी कहा है कि उसे इसके लिए अमेरिका से इजाजत की जरूरत नहीं थी। इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा है कि इजरायल ने खामेनेई को मार गिराने का पूरा मन बना लिया था लेकिन खामेनेई ने बंकर में छिपकर अपनी जान बचा ली। कैट्ज ने एक बयान में कहा, अगर वह हमारी नजर में होता, तो हम उसे मार गिराते। उन्होंने आगे कहा कि इजरायल ने खामेनेई को ढूंढने की भी कोशिशें की, लेकिन वह छिप गए थे। मिडिल ईस्ट में 12 दिनों तक तबाही के मंजर के बाद ईरान और इजरायल के बीच संघर्षविराम हो गया है। इसके बाद अब ईरान और इजरायल एक दूसरे को चेतावनी जारी की है। वहीं सीजफायर के बाद अब दोनों पक्ष इस खूनी जंग में अपनी जीत के अलग अलग दावे कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने कहा है कि उसने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की योजना तैयार कर ली थी। इजराइली रक्षा मंत्री ने इंटरव्यू में आगे कहा, खामेनेई को यह पता चल चुका था।

जेफ बेजोस ने दान में दिए 27 करोड़

वॉशिंगटन। दुनिया के शीर्षस्थ अमीरों में शुमार जेफ बेजोस करीब साढ़े 4 सौ करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। उनके यहां समारोह में दुनियाभर के सेलिब्रिटी शामिल हो रहे हैं। बढ़ती भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। ऐसे में इस शादी समारोह पर विरोध भी हुआ। विरोध को शांत करने के लिए जेफ ने 27 करोड़ रुपए दान में दिए और 80 प्रतिशत सामान स्थानीय लोगों से खरीदने का भरोसा दिलाया। वेनिस में गुरुवार से ही सदी की सबसे भव्य शादी की तीन दिवसीय जश्न की शुरूआत हो गई।

मुहर्रम और गुरु पूर्णिमा एक साथ होने पर शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की जरूरत: आईजी

मिर्जापुर। पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर द्वारा कैम्प कार्यालय मीरजापुर में परिक्षेत्र के पुलिस अधीक्षकगण के साथ बैठक कर अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु दिये विस्तृत निर्देश। आगामी त्योहार श्रावण मास, मोहर्रम, गुरु पूर्णिमा आदि को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत दिए गये आवश्यक दिशा-निर्देश। 10 दिवस के अन्दर लम्बित प्रार्थना पत्रों का करें निस्तारण। कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की मंशा रखने वालों पर रखें सतर्क दृष्टि गो-तस्करों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही कराते हुए उनके आपराधिक कृत्यों से अर्जित की गयी चल अचल सम्पत्ति को जब्त कराये जाने के दिये निर्देश। पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिजार्पुर

आरपी सिंह द्वारा परिक्षेत्र के तीनों जनपदों की अपराध एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण एवं वांछित पुरस्कार घोषित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, शिकायती प्रार्थना पत्रों का 10 दिवस के अंदर निस्तारण, भूमि संबंधी विवादों का सम्पूर्ण समाधान दिवस समाधान दिवस पर राजस्व विभाग के सहयोग से निस्तारित कराने, रात्रि में चैराहे तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने, पिछले 10 वर्षों में चोरी, लूट, व अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं अवैध शस्त्र रखने वालों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा जनपद के टॉप-10, अपराधियों के विरुद्ध गुंडा, गैंगस्टर, 14(1)के अंतर्गत जब्तीकरण कराते हुए ऐसे अपराधियों का जमानत निरस्तीकरण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कठोरतम कार्यवाही के भी निर्देश दिये तथा गो-तस्करों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही कराते हुए उनके आपराधिक कृत्यों से अर्जित की गयी चल अचल सम्पत्ति को जब्त कराये जाने का निर्देश दिये गये साथ ही गो-तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को शासनादेश के तहत जब्त कराये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये ।

बिना टावर और सेटेलाइट के चलेंगे स्मार्ट फोन

- जंगल पहाड़ और रेगिस्तान में भी हो सकेगी बात

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत में जल्द ही डायरेक्ट टू डिवाइस (डी2डी) सर्विस शुरू करने की तैयारी हो रही है। भारत में वोडाफोन आइडिया तथा अमेरिका की कंपनी एएसटी के बीच स्पेस सर्विसेज को लेकर एक अनुबंध हुआ है। इस नई तकनीकी के जरिए भारत के 99 फीसदी हिस्से में अब आसानी से फोन पर बात हो सकेगी। इंटरनेट से भी गांव गांव और जंगल में कनेक्ट हो सकेंगे। जो नई तकनीकी आ रही है। उसमें मोबाईल के टावर की जरूरत नहीं होगी। सेटेलाइट फोन

की आवश्यकता नहीं होगी। स्मार्टफोन पर यह सेवा आसानी के साथ उपलब्ध होगी। यह सारा नेटवर्क सेटेलाइट से जुड़ा होगा। पहाड़ी इलाके, रेगिस्तान और भारत के किसी भी हिस्से में अब आसानी से बात हो सकेगी। इंटरनेट का उपयोग किया जा सकेगा। एएसटीस्पेस मोबाइल कंपनी, 6 अर्थ ऑर्बिट सेटेलाइट लांच कर चुकी है। भारत का 99 फीसदी हिस्सा इससे कबर हो चुका है। कंपनी 243 और नए छोटे सैटेलाइट भेज रही है। भारत के टेलीकॉम कम्युनिकेशन सेक्टर में बड़ी तेजी के साथ परिवर्तन आने जा रहा है। एलन मस्क की कंपनी स्टरलिंक भारत में सेवाएं शुरू करने जा रही है। एप्पल की ग्लोबल स्टार अमेजॉन की क्यूपर,डी2डी एवं अन्य कंपनियां बड़ी तेजी के साथ भारत के टेलीकॉम बाजार में प्रवेश करने जा रही हैं। टेलीकॉम के क्षेत्र में अब सेटेलाइट के जरिए बिना काल ड्राप, कम्युनिकेशन 24 घंटे भारत के किसी भी हिस्से में हो सकेगा। भारत के लिए टेलीकॉम सेक्टर का यह सबसे बड़ा गेम चेंजर है। प्रतिस्पर्धा होने के कारण उपभोक्ताओं को कम कीमत पर इंटरनेट की सुविधा मिल सकेगी।

डीजे की आवाज से हाथी हुआ बेकाबू

अहमदाबाद। शहर में निकली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में डीजे की आवाज से एक के हाथी के बेकाबू होने से अफरातफरी मच गई यह घटना अहमदाबाद के खाडिया क्षेत्र के गोलावाड के निकट हुई हाथी के बेकाबू होते ही पुलिस ने तुरंत लोगों को वहां से हटाया। डॉक्टरों और वन विभाग के कर्मचारियों ने त्वरित कार्यवाही कर हाथी को नियंत्रित किया। त्वरित कार्यवाही से रथयात्रा में बड़ी दुर्घटना टल गई अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की 148वीं रथयात्रा शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ रही थी और सुबह करीब 9.33 बजे रथयात्रा की अगुवाई कर रहे हाथी धीरे-धीरे खाड़िया से आगे बढ़ रहे थे।

खामेनेई को ट्रंप दे रहे 30 बिलियन डॉलर का ऑफर

एजेंसी

वॉशिंगटन। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार सार्वजनिक रूप से बयान देकर दुनिया को चौंका दिया। ईरान और इजरायल के बीच 13 जून को शुरू हुए युद्ध के बाद से वह अंडरग्राउंड बंकर में छिपे थे। अब जब युद्धविराम हो चुका है, तो खामेनेई ने इसे ह्यईरान की जीतह्न बताते हुए सीधे अमेरिका पर हमला बोला। उन्होंने कहा, अमेरिका इजरायल को बचाने युद्ध में कूदा था, लेकिन कुछ भी हासिल नहीं कर पाया। इस बीच, ट्रंप प्रशासन के भीतर एक अलग ही कूटनीतिक कवायद चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को 30 अरब डॉलर की निवेश सहायता का

प्रस्ताव दिया है शर्त ये है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह बंद कर दे। बदले में उसे एक नागरिक न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम दिया जाएगा, जिसकी फंडिंग अरब खाड़ी देशों से कराई जाएगी। यह बैठक वॉशिंगटन में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ की अगुआई में हुई, ठीक उस दिन के अगले दिन जब अमेरिका ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइलें बरसाईं। वहीं ईरानी विदेश मंत्री अरघची ने एक बयान में साफ किया कि ईरान को अपने न्यूक्लियर स्थलों पर काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि कतर की जमीन पर मौजूद अमेरिकी बेस पर हमला करने के बाद जब अरब देशों ने उसकी निंदा की, तो ईरान ने भी बयान में अपना समर्थन जोड़ने को कहा, क्योंकि ईरान कतर का समर्थन करता है।

ग्वाटेमाला और होंडुरास बनेंगे शरणार्थियों का ठिकाना

- सेफ थर्ड कंट्री समझौता नहीं किया
- पहले भी हुए थे ऐसे समझौते

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका की गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा, होंडुरास और अब ग्वाटेमाला ऐसे देश होंगे जो इन व्यक्तियों को शरणार्थी दर्जा देंगे। हमने कभी यह नहीं माना कि केवल अमेरिका ही एकमात्र विकल्प होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति खतरे में है, तो उसे कहीं भी सुरक्षित जगह मिलनी चाहिए, जरूरी नहीं है कि वह जगह अमेरिका ही हो। नोएम ने कहा कि ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अमेरिका के साथ ऐसे समझौते किए हैं, जिनके तहत वे उन प्रवासियों को शरण देने के लिए तैयार हैं जो आमतौर पर अमेरिका में शरण की तलाश करते हैं। नोएम का यह बयान उनके मध्य अमेरिका दौरे के अंत में आया। इन समझौतों के जरिए ट्रंप प्रशासन अमेरिका में शरण की मांग कर रहे प्रवासियों को उनके अपने देश या किसी तीसरे सुरक्षित देश में भेजने के लिए नई व्यवस्था को विस्तार दे रहा है। नोएम ने इसे विकल्प देने की नीति बताया, जिसके तहत शरणार्थियों को केवल अमेरिका ही नहीं बल्कि अन्य देशों में भी सुरक्षा और संरक्षण मिल सकता है। हालांकि अमेरिका की उस समय बेइज्जती हो गई जब इन दोनों देशों ने ऐसे किसी भी समझौते से साफ इनकार कर दिया। नोएम के दावों के बाद ग्वाटेमाला और होंडुरास की सरकारों ने यह स्पष्ट

रूप से नकारा कि उन्होंने अमेरिका के साथ कोई सेफ थर्ड कंट्री समझौता किया है। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति कार्यालय ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी अधिकारी की यात्रा के दौरान कोई आव्रजन संबंधी समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने केवल यह स्वीकार किया कि अमेरिका ग्वाटेमाला को एक अस्थायी ट्रांजिट पॉइंट के रूप में इस्तेमाल करेगा, जहां से प्रवासियों को उनके देशों में लौटाया जाएगा। होंडुरास के आव्रजन निदेशक विल्सन पास ने भी किसी भी ऐसे समझौते से इनकार किया, जबकि विदेश मंत्रालय ने इस पर टिप्पणी नहीं दी। नोएम ने यह भी स्वीकार किया कि राजनीतिक रूप से यह समझौते इन देशों की सरकारों के लिए मुश्किल हैं। दोनों देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर है, संसाधनों की भारी कमी है और शरणार्थियों को संभालने के लिए न तो पर्याप्त व्यवस्था है और न ही घरेलू समर्थन। इसके अलावा, दोनों देश वामपंथी विचारधारा वाली सरकारों द्वारा शासित हैं, जिससे ट्रंप प्रशासन की शरण नीति में सहयोग देना राजनीतिक रूप से संवेदनशील बनता है। ग्वाटेमाला में नोएम की यात्रा के दौरान एक सार्वजनिक समारोह में अमेरिका और ग्वाटेमाला के बीच एक जॉइंट सिक्योरिटी प्रोग्राम पर एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ, जिसके तहत अमेरिकी सीमा सुरक्षा अधिकारी ग्वाटेमाला के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानीय एजेंटों को प्रशिक्षित करेंगे ताकि आतंकी संदिग्धों की पहचान की जा सके। डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका ने होंडुरास, एल साल्वाडोर और ग्वाटेमाला के साथ सेफ थर्ड कंट्री समझौते किए थे। इसके तहत अमेरिका कुछ प्रवासियों को शरण देने से इनकार कर सकता था और उन्हें इन देशों में भेज सकता था। हालांकि, इन तीनों देशों के अपने ही नागरिक भारी संख्या में अमेरिका की ओर पलायन कर रहे थे, जिससे यह नीति व्यवहारिक रूप से सफल नहीं हो सकी। फरवरी में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एल साल्वाडोर और ग्वाटेमाला के साथ नए समझौते किए थे।

ट्रेड वॉर के कारण अमेरिका सबसे खराब दौर में : ओबामा

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अमेरिका की स्थिति पर गहरी चिंता जताई है। ओबामा ने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। अमेरिका की सरकार का नेतृत्व ऐसे हाथों में है। जिन्हें कानून के शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी में आस्था नहीं है। ट्रंप प्रशासन संविधान की शपथ लेकर उसके विपरीत काम कर रहा है। सत्ता में बैठे हुए शासको के लिए संविधान की रक्षा ही सर्वोपरि है। यह कहकर उन्होंने ट्रंप के सामने मुसीबतों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। बराक ओबामा ने एक संवाद कार्यक्रम में अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति, संस्थागत स्वतंत्रता और

अर्थव्यवस्था को लेकर गहरी चिंता जाहिर की है। कनेक्टिविटी फोरम के मंच से ओबामा ने कहा, व्यापारिक सोदों को लेकर वैश्विक देशों को डराया जा रहा है। यह नैतिक और आर्थिक दोनों ही रूप में खतरनाक है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, चीन की बढ़ती हुई ताकत के बावजूद टैरिफ का बेजा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। बराक ओबामा ने ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट की नीति को भय और अलगाववाद पर आधारित बताकर, तीव्र आलोचना की है।

खास खबर

दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे केशव महाराज

बुलवायो । केशव महाराज की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम इसी माह 28 जून से जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से अपने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2026-27 (डब्ल्यूटीसी) के नये सत्र की शुरूआत करेगी। नियमित कप्तान टेंबा बावुमा के चोटिल होने से केशव को कप्तानी की जिम्मेदारीद दी गयी है। दो टेस्ट मैचों की इस। सीरीज की शुरूआत 28 जून से बुलावायो में होगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ जो सीरीज शुरू होने वाली है, उसमें कप्तानी संभालने जा रहे केशव भारतीय मूल के हैं। उनके पूर्वज 1874 में दक्षिण अफ्रीका चले गए थे। केशव महाराज का जन्म डर्बन में ही हुआ था केवव ने अब तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से 58 टेस्ट, 48 एकदिवसीय और 39 टी20 मुकाबले खेले हैं। वहीं टी20 ट्राई सीरीज के लिए रासी वान डर डुसेन दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी करेंगे।

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश पंगालिया

मुम्बई । वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही। लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी। हरवंश की इस पारी से साफ हो गया है कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरवंश के पिता एक ट्रक ड्राइवर हैं और उनका परिवार अब कनाडा में रह रहा है। हरवंश के अलावा इस मैच में राहुल कुमार ने 73 रन, कनिष्क चौहान ने 79 रन और आर.एस. अम्बरीश ने 72 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में दीपेश देवेन्द्रन ने 3 विकेट लिए नमन पुष्पक और विहान मल्होत्रा ने 2-2 विकेट लिए।

सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम को लगा झटका

बर्मिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ यहां 2 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए ऐजबेस्टन पहुंच गयी है। भारतीय टीम लीड्स में पहला टेस्ट हारने के कारण 1-0 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। इस मैच के शुरू होने से पहले ही युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि सुदर्शन अभी थ्रो भी नहीं कर पा रहे और उनका इस मैच में खेलना तय नहीं है। सुदर्शन ने लीड्स में हुए पहले टेस्ट से अपना डेब्यू किया था। इस मैच में हालांकि वह असफल रहे थे। मैच में फील्डिंग के दौरान सुदर्शन के बाएं कंधे में चोट लगी, इसी कारण वह लंबे थ्रो नहीं कर पा रहे। अब देखना है कि वह मैच से पहले ठीक हो पाते हैं या नहीं। अगर वह नहीं खेलते हैं तो भारत ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को नंबर-3 पर अवसर मिल सकता है। ईश्वरन ने इंडिया ए की ओर से खेलते हुए 68 और 80 रन बनाये थे।

इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 5 मैचों की यूथ वनडे सीरीज

होव में पहली जीत हासिल करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम

एजेंसी

लंदन । भारतीय अंडर-19 टीम इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 5 मैचों की यूथ वनडे सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला होव में होगा। इस स्थल पर भारतीय टीम आजतक कभी नहीं जीती है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां पहली जीत दर्ज करना रहेगा। मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारतीय टीम टीम ने साल 1999 में यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप में एक मैच खेला था पर उसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इंडिया अंडर 19 टीम और इंग्लैंड लॉयंस के बीच सीरीज के पांचों वनडे मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3:30 बजे से खेले जाएंगे। इस सीरीज का पहला एकदिवसीय होव में जबकि बाकी दो मैच नॉर्थेम्प्टन में खेले जाएंगे। वहीं अंतिम दो वनडे वसेर्सेस्टर शॉयर में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी आयुष म्हात्रे के पास रहेगी। इस सीरीज में 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर भी सबकी नजरें रहेंगी। वैभव ने आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से डेब्यू करते हुए 252 रन बनाकर सभी को प्रभावित किया था, इस दौरान उन्होंने 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। उसी के बाद उन्हें इस सीरीज में अवसर मिला है। ऐसे में उनका लक्ष्य यहां बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वैभव इस सीरीज में टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी शुरू करेंगे।

टीम इस प्रकार

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

एजेंसी

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। वहीं वॉन ने कहा, ह्यचार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में

नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे लय में लौटें। वॉन ने जोड़ा, ह्यडरहम के खिलाफ उन्होंने ठीक गेंदबाजी की, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तीव्रता काउंटी मुकाबलों से बिल्कुल अलग होती है ह्न ससेक्स के कोच फारब्रेस भी वॉन से सहमत है। उन्होंने भी चयनकर्ताओं से कहा, ह्यमेरी सलाह होगी कि आर्चर को तीसरे टेस्ट के लिए संभाल कर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आर्चर ने अब तक सिर्फ 18 ओवर फेंके हैं और ऐसे में सीधे टेस्ट क्रिकेट में उतरना जोखिम भरा हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जगाईं उम्मीदें

एजेंसी

ब्रिजटाउन। केनसिंग्टन ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार (भारतीय समयानुसार) ट्रैविस हेड की जुझारू बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में बनाए रखा है। पिच पर तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है और मैच तीसरे दिन से आगे जाता नहीं दिख रहा। पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाकर 10 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरूआत भी लड़खड़ाई और टीम ने 65 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। हालांकि ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर ने मोर्चा संभाला और स्टंप्स तक स्कोर 92/4 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया को अब तक 82 रन की बढ़त मिल चुकी है। हेड, जिन्होंने पहली पारी में टेस्ट का एकमात्र अर्धशतक लगाया था, दूसरी पारी में रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए टिके रहे। अलजारी जोसेफ की एक गेंद उनकी बाईं ग्लव पर भी लगी, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। दिन का खेल खत्म होने तक हेड 13 रन (37 गेंदों पर) और वेबस्टर 19 रन (24 गेंदों पर) बनाकर नाबाद लौटे। पहले दिन जहां 14 विकेट गिरे थे, वहीं दूसरे दिन भी गेंदबाजों का दबदबा जारी रहा और 10 विकेट गिरे। पिच पर अब भी सीम और मूवमेंट मौजूद है जिससे तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही है।

बुमराह को दूसरे टेस्ट में मिलेगा आराम

एजेंसी

बर्मिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 2 जुलाई से यहां होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे टेस्ट में आराम दिया जाएगा। इस सीरीज के पहले ही ये तय हुआ था कि बुमराह सीरीज में तीन ही मैच खेलेंगे हालांकि ये तय नहीं था कि ये मैच कौन से होंगे। इंग्लैंड से पहला टेस्ट मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं और ऐसे में बुमराह का नहीं खेलना भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि पहले टेस्ट में बुमराह ने पांच विकेट लिए थे और भारतीय टीम की ओर से केवल वही एक गेंदबाज थे जिन्होंने मेजबान टीम पर दबाव बनाया। ऐसे में भारतीय टीम के लिए उनका विकल्प तलाशना आसान नहीं होगा। बुमराह ने पहले टेस्ट मैच में 44 ओवर की गेंदबाजी की थी। उन्होंने मैच की पहली पारी में 5 विकेट लिए थे पर दूसरी पारी में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। बुमराह को दूसरी पारी में विकेट नहीं मिलने से ही इंग्लैंड की टीम आसानी से जीत गयी। इंग्लैंड ने जीत के लिए मिले 371 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया था। भारतीय टीम को सीरीज में वापसी के लिए दूसरा टेस्ट हर हाल में जीतना जरूरी है। बुमराह के नहीं खेलने पर इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाज आक्रमण की कमान मोहम्मद सिराज को मिलेगी।

जानबूझकर कैच आउट के दावे को नो बाल करार दे सकता है अंपायर

एजेंसी

मुम्बई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये नियम से अब खेल में कई बदलाव दिखेंगे। आईसीसी ने कैच से लेकर डीआरएस तक का नियम बदल है। इसके अलावा टेस्ट मैचों में गेंद बदलने को लेकर भी नए नियम बनाये गये हैं। इससे सबसे ज्यादा प्रभाव कैच को लेकर पड़ेगा। अगर कैच लेने के दौरान फील्डर अंपायर पर किसी तरह का दबाव डालता है तो उससे टीम को नुकसान उठाना पड़ेगा। है। आईसीसी का ये नियम दो जुलाई से लागू होगा। इसमें उन कैचों को लेकर नियम में बदलाव किया गया जो पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता। इस तरह के कैचों में अब अगर किसी तरह की बहस की जाती है तो अंपायर अपने अनुसार फैसले ले सकते हैं। नए नियम के अनुसार कैच के फैसले को लेकर अब तीसरे अंपायर की भूमिका और अधिक बढ़ गई है। इसके तहत मैदानी अंपायरों को अगर पता नहीं है कि कैच सही लिया गया है या नहीं पर टीवी अंपायर बताता है कि ये नो बॉल थी तो पहले, नो-बॉल सिग्नल होने पर कैच की निष्पक्षता की जांच नहीं होती थी। इसके अलावा यदि कोई कैच स्पष्ट नहीं है और फील्डर जानबूझकर उसपर आउट का दावा करते तो अंपायर इसे नो-बॉल करार दे सकते हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यई रेसलर रॉस कैंसर से उबरे

सेन डियागो । डब्ल्यूडब्ल्यई हाल ऑफ फेम रहे रेसलर जिम रॉस ने कहा है कि उनकी कैंसर की बिमारी ठीक हो गयी है। रॉस ने कुछ हफ्ते पहले ही कहा था कि वह कोलन कैंसर से जूझ रहे हैं और इसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके बाद रॉस ने कहा कि वह घर पर बैठकर थक गए हैं और अवसरों का लाभ उठाना चाहते हैं। रॉस का कैंसर ठीक होने से उनके फैंस और शुभचिंतकों में खुशी छायी है। रॉस ने नए सत्र में अपने स्वास्थ्य पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें कुछ सप्ताह पहले ही कोलन कैंसर होने का पता चला था। इसके बाद उन्होंने सर्जरी करारी थी। वहीं अब रॉस ने कहा उनका कैंसर ठीक हो गया है और वह अच्छा अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि वह घर पर बैठकर थक गए थे और वापस रिंग में आना चाहते हैं।

ऋषभ की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए ग्रेग चैपल

▶ इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। चैपल लीड्स में खेली ऋषभ की शतकीय पारियों से हैरान है। चैपल ने कहा कि इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये बल्लेबाज खेल को एक नया अंदाज दे रहा है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों पर 134 जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाये थे। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि वह ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो एमसीसी प्लेइंग मैनुअल में भी नहीं हैं। साथ ही कहा, ह्यजब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गयी हालांकि वह एक अलग तरह का खिलाड़ी है। जब एक विकेटकीपर बेहतरीन बल्लेबाजी करता है और तेजी से रन बनाता है तो यह टीम के लिए बड़ा अंतर पैदा कर सकता है। चैपल ने कहा, सबसे बड़ी खूबी ये है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उसे देखना रोमांचक है अनुभव है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि वह कब क्या कर सकता है। चैपल ने कहा, ह्यआप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उससे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकता है। चैपल ने कहा, ह्यआप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता है और उसने पहले टेस्ट में भी भारतीय टीम को आगे ला दिया था।

समाप्त होता नजर आ रहा जडेजा का करियर

एजेंसी

मुम्बई। रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम विदेश दौरा हो सकता है। जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला। ऐसे में कहा जा रहा है अगर पहले टेस्ट मैच में जडेजा की जगह कुलदीप होते तो भारतीय गेंदबाज हावी रहते। जडेजा टीम इंडिया के एकमात्र खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका टेस्ट करियर 15 साल से अधिक पुराना हो गया हे। उनकी उम्र भी 36 के करीब है। वह एके बेहतरीन क्षेत्ररक्षक रहे हैं पर वहां भी वह असफल रहे। उन्होंने पहले टेस्ट मैच में एक कैच भी छोड़ा था। ऐसे में अब उनपर दबाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में वह इस दौरे में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दें तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिये।

2027 तक अल नासर में ही रहेंगे रोनाल्डो

एजेंसी

दुबई । पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अगले दो साल तक सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब अल नासर में ही रहेंगे। रोनाल्डो ने इसके तहत ही क्लब के साथ साल 2027 तक के लिए एक करार किया है। इसी के साथ ही रोनाल्डो के क्लब छोड़ने की अटकलें समाप्त हो गयी हैं। अब वह 2027 तक अल नासर में ही रहेंगे। इस स्टार स्ट्राइकर ने ये घोषणा सोशल मीडिया में जारी एक पोस्ट के साथ दी जिसमें उन्होंने कहा, एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं। वहीं सऊदी क्लब ने भी कहा, रोनाल्डो साल 2027 तक हमारे साथ बने रहेंगे। मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद साल 2022 के अंत में रोनाल्डो अल नासर में शामिल हो गये थे, यहां उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 105 मैचों में 93 बार गोल दागे। इस क्लब में रोनाल्डो के शामिल होने के बाद खास बदलाव आया और सऊदी प्रो लीग का दुनिया भर में आकर्षण बढ़ा। जिससे कई अच्छे खिलाड़ी लीग से जुड़े। रोनाल्डो का अनुबंध इस गर्मी में समाप्त होने वाला था, और 2024-25 सत्र के अल नासर के अंतिम मैच के बाद उनकी एक पोस्ट यह अध्याय समाप्त हो गया से ये अंदेशा लगाया जाने लगा कि वह क्लब छोड़ रहे है पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिछले महीने तब और अनिश्चितता पैदा हो गई जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने रोनाल्डो के विस्तारित 2025 क्लब विश्व कप में संभावित रूप से शामिल होने के बारे में बात की हालांकि रोनाल्डों ने इससे इंकार किया है।

न्यूजीलैंड ने की ट्राई-सीरीज के लिए टीम की घोषणा

▶ मिल्ने और हेनरी की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 ट्राई-सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका और मेजबान ज़िम्बाब्वे भी शामिल हैं। इस टीम में तेज गेंदबाज एडम मिल्ने और मैट हेनरी की वापसी हुई है।

अनकैप्ड बल्लेबाज बेवन जैकब्स, जो दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज का भी हिस्सा थे, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। 23 वर्षीय जैकब्स को एक बार फिर मौका दिया गया है और कोच का मानना है कि वे घरेलू क्रिकेट और विभिन्न फ्रेंचाइज लीग्स में अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर चुके हैं। एडम मिल्ने नवंबर के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, वहीं मैट हेनरी कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चोट उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान लगी थी। वहीं, तेज गेंदबाज बेन सियर्स चोट के चलते अनुपलब्ध हैं, लॉकी फर्ग्यूसन को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है और काइल जैमीसन पारिवारिक कारणों (पहले बच्चे के जन्म का इंतजार) से इस दौरे पर नहीं होंगे। डेवोन कॉनवे और मिच हे भी टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सिफर्ट को सौंपी गई है। कप्तान केन विलियमसन ने खुद को चयन के लिए अनुपलब्ध रखा है। यह दौरा न्यूजीलैंड के नए मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का पहला कार्यभार होगा। उन्होंने एक बयान में कहा,ह्यमुझे लगता है कि हमारे पास इस दौरे के लिए एक मजबूत टीम है और मैं खिलाड़ियों के साथ काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा,ह्यपाकिस्तान के खिलाफ मार्च सीरीज में आईपीएल की वजह से जो खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे, उन्हें फिर से टीम में देखकर अच्छा लग रहा है। यह ट्राई सीरीज बेहतरीन होगी, दक्षिण अफ्रीका एक मजबूत टीम है और ज़िम्बाब्वे अपने घरेलू हालात में हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। रॉब वॉल्टर ने एडम मिल्ने के अनुभव को अहम बताया और कहा कि उनकी गेंदबाजी खासकर पावरप्ले में काफी असरदार है। इसके साथ ही उन्होंने इस सीरीज को अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यह सीरीज हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण चरण है। यह हमें विभिन्न खिलाड़ियों और संयोजनों को आजमाने का मौका देगा।

न्यूजीलैंड टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, विल ओ'रूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सिफर्ट, ईश सोढ़ी।

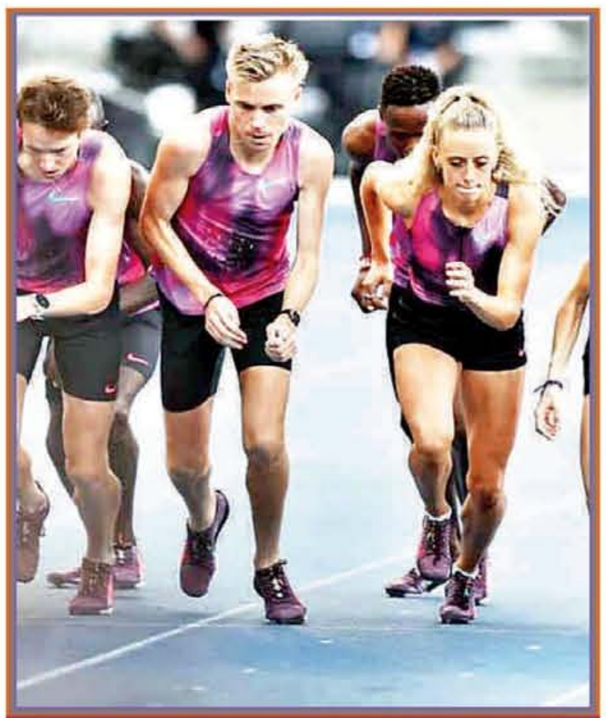

पेरिस में केन्या की ओलंपिक चैम्पियन फेथ किपयागोन रेस में भाग लेती हुई।

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड, विवाद बढ़ने पर दी सफाई

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को हांटेड कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है। सोमवार को काजोल ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, मैं अपनी फिल्म मां के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूं, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था।

काजोल ने कहा, मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहां कई बार रुकी भी हूं। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहां कई टूरिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।

काजोल ने क्या कहा था?

बता दें कि गैलट्टा इंडिया को दिए इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइब्स, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहां मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहां से निकल जाऊं। ऐसी बहुत सी जगहें हैं। बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालांकि, मैं लकी रही हूं कि मुझे वहां कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि फिल्म मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं सान्विका

जॉब नहीं करना चाहती थीं

फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और उनका पसंदीदा शो पंचायत का चौथा सीजन रिलीज हो चुका है। सीरीज में इस बार फुलेरा गांव में चुनाव का माहौल है। शो में एक बार फिर पुरानी कास्ट ही नजर आई है। इस बार कहानी में सचिव और रिंकी की लव स्टोरी आगे बढ़ती नजर आई है। शो के रिलीज होते ही एक बार फिर पंचायत की रिंकी यानी सान्विका चर्चाओं में आ गई हैं।

असली नाम नहीं था सान्विका

मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्मीं सान्विका को लोग उनके असली नाम से कम और पंचायत की रिंकी के नाम से ज्यादा जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सान्विका का नाम पहले सान्विका नहीं था। ये नाम उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि खुद उन्होंने रखा है। दरअसल, सान्विका का असली नाम पूजा सिंह था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर पूजा सिंह से सान्विका रख लिया। पंचायत के सीजन वन तक उन्होंने अपना ओरिजनल नाम पूजा सिंह ही रखा था।

इसलिए पूजा से बनीं सान्विका

एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने अपना नाम बदला। इसके पीछे उनका कहना है कि नाम को लेक काफी कन्फ्यूजन हो रही थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा। दरअसल, पंचायत के पहले सीजन में रिंकी की सिर्फ एक झलक दिखी थी। लेकिन इसके बाद ही लोग उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। लेकिन पूजा सिंह के नाम से सर्च करने पर किसी और अभिनेत्री की प्रोफाइल आती थी। यहां तक कि पंचायत के पहले सीजन की विकिपीडिया में भी किसी और अभिनेत्री की ही प्रोफाइल आती है। इसलिए इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए उन्होंने अपना नाम पूजा से बदलकर सान्विका कर लिया। पंचायत से लोगों के बीच में मशहूर हुई सान्विका एक्टिंग की दुनिया में अपने माता-पिता से झूठ बोलकर आई हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वो नौकरी करें, लेकिन सान्विका 9-5 की प्रॉपर जॉब नहीं करना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर घर से निकली थीं। सान्विका का कहना है कि वो अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं, बस वो जॉब नहीं करना चाहती थीं। फिर मुंबई में रह रही उनकी एक दोस्त ने उन्हें मुंबई आने को कहा। लेकिन ये इतना आसान नहीं था। माता-पिता से झूठ बोलकर पहुंचीं मुंबई सान्विका अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर मुंबई पहुंची थीं।

कुछ और प्रोजेक्ट्स में भी आईं नजर, पंचायत से मिली पहचान

करियर की बात करें तो सान्विका 'हजामत', 'कैदी बंद' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे कुछ एक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आई हैं। हालांकि, उन्हें पहचान पंचायत से ही मिली है। पहले सीजन में वो सिर्फ एक सीन को नजर आई थीं, लास्ट में जहां वो टंकी पर बैठकर सचिव जी के साथ चाय पीती हैं। इसके बाद दूसरे और तीसरे सीजन में रिंकी के किरदार को एक्सपोजर मिला और अब चौथे सीजन में रिंकी और सचिव जी की लव स्टोरी पूरी तरह से आगे बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं रिंकी

पंचायत में काफी सिंपल नजर आई रिंकी असल जिंदगी में उतनी सिंपल नहीं हैं। हालांकि, सान्विका सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 48 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। हालांकि, सान्विका के इंस्टाग्राम पर सिर्फ 9 पोस्ट ही हैं। जिनमें कुछ पंचायत के प्रमोशन से जुड़े हुए हैं, जबकि कुछ उनकी अलग-अलग फोटोज हैं। सान्विका की कुछ एक बोल्ड फोटोज भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है! जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

जैकलीन का करियर

जैकलीन फर्नांडीज को हाल ही में कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में देखा गया था, जिसमें जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हुई थी।

जन नायकन से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने जन नायकन के लिए 275 करोड़ रुपए की फीस ली है। हालांकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा। जन नायकन को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रॉडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिथा बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे। फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में थलापति 69 के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्युजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जन नायकन 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले। मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डूडल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्टून अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जुग जुग जियो एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे राज मेहता ने डायरेक्ट किया था।

फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार को लेने पर मीका सिंह ने की दिलजीत की आलोचना

अभिनेता और सिंगर दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस महीने रिलीज के लिए प्रस्तावित इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, तब से दिलजीत की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी हैं, जिनकी झलक ट्रेलर में भी नजर आई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ चुकी है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी अभिनेत्री को अपनी फिल्म में जगह देने पर दिलजीत की आलोचना हो रही है। इस पर अब सिंगर मीका सिंह ने भी रिएक्शन दिया है। मीका सिंह ने मंगलवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, देश पहले। दोस्तों, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते इस समय ठीक नहीं चल रहे हैं। फिर भी कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना हरकतें कर रहे हैं। सीमा पार के कलाकारों से जुड़ा कोई भी कंटेंट जारी करने से पहले उन्हें दो बार सोचना चाहिए, खासकर जब हमारे देश की गरिमा की बात हो। आगे लिखा है, फवाद खान और वाणी कपूर की एक फिल्म थी जिसका हममें से कई लोगों ने विरोध किया था, लेकिन फिर भी कुछ लोगों को संदेश समझ में नहीं आ रहा है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि एक नकली गायक, भारत में 10 शो करने के बाद, जिसमें हजारों प्रशंसकों ने टिकट खरीदे थे, अब गायब हो गया है, जिससे प्रशंसक धोखा खा गए और असहाय हो गए हैं। मीका सिंह ने कहीं भी दिलजीत दोसांझ का नाम नहीं लिया है। मगर, उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें दिलजीत की तस्वीर है। इससे साफ है कि मीका का इशारा दिलजीत की तरफ है। बताते चलें कि रविवार को सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आई। यह देखकर सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, हानिया आमिर ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत के बारे में भला-बुरा कहा था। इसी बात पर लोगों ने दिलजीत की फिल्म के बायकॉट की मांग शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो यह तय किया गया कि अब 'सरदार जी 3' भारत में रिलीज नहीं होगी। इसको सेंसर का सर्टिफिकेट नहीं मिला। दिलजीत की पंजाबी फिल्म ओवरसीज ही रिलीज हो रही है।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

बी-टाउन में अक्सर सेलेब्स के अफेयर और डेटिंग की खबरें फैलती रहती हैं। एक समय ईशा गुप्ता और हार्दिक पांड्या के बीच अफेयर की खबरें भी काफी सुर्खियों में रही थीं। अब इन खबरों पर ईशा ने सच्चाई बताई है। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं। एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालांकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

धूमधाम से सम्पन्न श्रीजगन्नाथ रथयात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर-121 स्थित गरही स्थापना एवं पारंपरिक विधियों का आयोजन संपन्न हुआ, जिसके बाद दोपहर दो बजे 'पाहंडी बीजे' की रस्म प्रारंभ हुई, जिसमें सेवकों सेक्टर-71 स्थित बाबा बालकनाथ मंदिर तक खींचते हुए भगवान को

चौखंडी के श्रीजगन्नाथ मंदिर में वार्षिक रथयात्रा महोत्सव इस वर्ष भी अपार श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। भोर पांच बजे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन की मंगल आरती के साथ शुभारंभ हुआ। सुबह 11 बजे रथ की दोपहर को भगवान को विशेष रूप से तैयार किए गए 56 प्रकार के भोग अर्पित किए गए। दोपहर 1ः30 बजे महाप्रसाद का वितरण भक्तों के बीच किया गया। इस पावन आयोजन में लगभग 15,000 श्रद्धालुओं ने अपने परिवार सहित भाग लिया। द्वारा चारों विग्रहों को 24 फीट ऊंचे रंग-बिरंगे रथ पर विधिपूर्वक विराजमान किया गया। पूरा वातावरण %हरिबोल% और %जय जगन्नाथ% के गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा। रथयात्रा की खास बात यह रही कि भक्तों ने रथ को लगभग तीन किलोमीटर दूर मौसी के घर तक पहुंचाया। रथ के वहां पहुंचने पर भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं का दृश्य अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय रहा। भगवान की मूर्तियों को मौसीबाड़ी में विशेष वेदी पर रात्रि में स्थापित किया गया, जहां वे 5 जुलाई तक पूजित रहेंगे। इसके उपरांत बहुड़ा यात्रा के साथ विग्रह पुनः श्रीमंदिर लौटेंगे। इस मौके पर डॉ. महेश शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व विधायक विमला बाथम, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नगर, वृंदावन से पधारे स्वामी भाईया महाराज, गुरुजी गौतम ऋषिजी, जिलाधिकारी मनीष वर्मा और अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहे।

पूरे आयोजन की रूपरेखा और संचालन श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा कुशलतापूर्वक संपन्न किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ त्रिपाठी, महासचिव डॉ. मनोरंजन मोहंती, उपाध्यक्ष प्रमोद बल और निगमानंद मोहंती, संयुक्त सचिव धनेश्वर नायक, एवं कार्यकारिणी सदस्य दिलीप स्वैन, अक्षय स्वैन, प्रशांत खिल्लार, अभिमन्यु परिडा, रमेश नायक, प्रकाश राय, ए.आर. परीजा, भरत प्रधान और किशोर परिडा सहित सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

उप्र युवा व्यापार मंडल ने किया रथयात्रा का स्वागत

प्रभु की आरती करते हुए उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन।

नोएडा (चेतना मंच)। इस्कॉन मंदिर सेक्टर 33 नोएडा द्वारा आयोजित प्रभू जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य शुभारंभ सेक्टर 18 में हुआ। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा सर्वप्रथम रथ यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा और मालाओं से किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक निखिल अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने भगवान की आरती कर रथ यात्रा का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने बताया कि व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पुष्प वर्षा कर माहौल को भक्तिमय कर दिया। मंदिर के मुख्य पुजारी बंसी धर ने उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारियों का स्वागत व सम्मान किया।

इस स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेशाध्यक्ष विकास जैन प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल प्रवीण गर्ग प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल प्रदेश सचिव सिवा चौहान अमित गोयल क्रॉकरी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश जिंदल व उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह व अन्य पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

स्वास्थ्य से खिलवाड़

स्वास्थ्य के लिए इससे ज्यादा लाभप्रद कुछ नहीं हों सकता कि आप सीवर के पानी के साथ सैर करें। नाले का गंदा पानी सड़क के बाद अब सैर करने पार्क में पहुंच गया। ऐसा लग रहा है जैसे पथ के साथ गंदे नाले की व्यवस्था की गई है।

सैक्टर-56 आरडब्ल्यूए

संजय मावी फिर बने अध्यक्ष, जीके बंसल महासचिव

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर-56 आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी 2025 -2027 के गठन के लिए दाखिल किए गए नामांकन पत्रों के वापसी की तिथि पर किसी भी उम्मीदवार द्वारा नाम वापसी नही की गई।

इससे पूर्व संजय मावी पैनल के अतिरिक्त किसी भी पैनल अथवा व्यक्तिगत उम्मीदवार द्वारा नामांकन नही किया गया था।

इस प्रकार मुख्य चुनाव अधिकारी बृजेन्द्र सिंह राय के साथ उनकी टीम एस एस सचदेवा,पंकज तुली एवं एस एस नेगी द्वारा संजय मावी पैनल के सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध चयनित घोषित कर दिया गया। संजय मावी पैनल की यह पांचवी बार जीत है, इससे पहले चार बार चुनावी मुकाबले में संजय मावी पैनल द्वारा भारी अंतर से जीत दर्ज की गई थी।

अध्यक्ष - संजय मावी, महासचिव - जी के बंसल, कोषाध्यक्ष - अमीर सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- हरीश जुगरान, उपाध्यक्ष - हरीश सभरवाल, संयुक्त सचिव- ओमप्रकाश अग्रवाल, संयुक्त सचिव- (महिला) सुनीता सिंह, संयुक्त कोषाध्यक्ष- रुचि अग्रवाल।

इसके अतिरिक्त सभी ब्लॉक प्रतिनिधि भी निर्विरोध चयनित घोषित किए गए। ए ब्लॉक - बी सी गौड़, बी ब्लॉक - प्रवीन मित्तल, सी ब्लॉक - संजय शर्मा, डी ब्लॉक - लक्ष्मण सिंह सैनी, एफ ब्लॉक - गुलकेश कुमार, जी ब्लॉक - अजयपाल तंवर। इस अवसर पर समस्त सैक्टर निवासियों के साथ सैक्टर के वरिष्ठ नागरिक जे एम सेठ, विक्रम चतुर्वेदी ,संजीव बांदा, दीपक चौधरी, शशिभूषण खंडूरी, ओमपाल सिंह राठौर, आर.के. त्रिवेदी एस. पी. सिंह अनिल यादव, ए. के. जैन जितेंदर कटपालिया, पुनीत बजाज, जेके सिंह, सी.पी. सिंह, सतीश मित्तल, रंजीव गुप्ता, डी.के. गुप्ता, एस.के. खुराना, अजय चौधरी आदि मौजूद रहे।

नवंबर से पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा डीजल व पेट्रोल

नोएडा (चेतना मंच)। आरटीओ डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ हवा को बढ़ावा देने के लिए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (CAQM) ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है, जिसके तहत आगामी 1 नवंबर 2025 से गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों और 10 साल पुराने डीजल वाहनों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन प्रदान नहीं किया जाएगा। यह नियम गौतमबुद्ध नगर में पंजीकृत 2 लाख 8 हजार वाहनों पर लागू होगा।

एआरटीओ ने बताया कि आगामी 1 नवंबर 2025 से ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ विभाग इस नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। पुराने वाहनों से होने वाला प्रदूषण हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। यह आदेश वायु प्रदूषण को कम करने और गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद को स्वच्छ बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एआरटीओ ने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि यदि उनका वाहन 15 साल पुराना पेट्रोल या 10 साल पुराना डीजल वाहन है, तो उसे स्क्रैप करें या वैकल्पिक व्यवस्था अपनाएं। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।

हौजरी कॉम्पलैक्स में ब्रेक डाउन से उद्यमियों को नुकसान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर के उद्यमियों ने बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं को लेकर विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उद्यमियों ने ब्रेक डाउन, विद्युत लाइनों को दुरस्त करने की बात रखी।

एनईए सभागार में मुख्य अभियंता, विद्युत नगरीय वितरण मण्डल नोएडा संजय कुमार जैन, अधीक्षण अभियंता विवेक पटेल, रितेश आनन्द, अधीशासी अभियंता नितिन कुमार, मोहित दीक्षित, निशांत नवीन, अमित त्रिपाठी, मोहित गोयल के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया । एन.ई.ए. अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन तथा वरि. उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा ने संजीव कुमार जैन तथा सभी अधिकारियों को पौधा भेंट कर उनका सम्मान किया। साथ ही उद्यमियों की विद्युत से संबधित समस्याओं से अवगत कराया।

श्री मल्हन ने बताया कि सैक्टर-80, फेस-।। तथा हौजरी काम्पलैक्स में विगत कई दिनों से ब्रैक डाऊन हो रहे हैं जिसके कारण उत्पादन प्रभावित होने से उद्यमियों को आर्थिक नुकसान पहॅुच रहा है। विभाग द्वारा उद्यमियों से विगत 12 वर्ष पूर्व जमा की गई धनराशि को वर्तमान मे जारी विद्युत बिलों में जोड़ कर भेज दिया जाता है, तथा विद्युत धनराशि की देयताओं का भुगतान किये जाने के साक्ष्य के लिए बैंक स्टेट मैंट की मॉग की जाती है, जिसका उद्यमी को कोई लेना-देना नही है। विभाग द्वारा एक माह का विद्युत बिल जमा न करने पर बिजली काट दी जाती है। विद्युत विभाग द्वारा मैसर्स मोन्टाना इम्पैक्स प्रा0लि0, बी-47, सैक्टर-59,नौएडा के विद्युत कनेक्शन को इन्डस्ट्री से कामिर्शियल में कनवर्ड कर दिया गया, तथा उसके ऊपर कामर्शियल रू0 4,60,697.00 का दंड लगाकर नोटिस जारी कर दी।

समस्याओं के सुनने के पश्चात मुख्य अभियंता, संजय कुमार जैन ने कहा कि विद्युत सब स्टेशनों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को दूर कर दिया गया है । उद्यमियों को विगत 10-12 वर्षो की देयताओं के भुगतान के लिए नोटिस नही दिये जायेगें।

इस अवसर पर एन0ई0ए0 के राकेश कोहली, उपाध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव, आर.एम. जिंदल, मोहन सिंह, कोषाध्यक्ष एस.सी. जैन, सचिव आलोक गुप्ता, राहुल नैययर, राजन खुराना, विरेन्द्र नरूला, सह. कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी, सह सचिव जी0के0 बंसल, सुभाष जावा, नवनीत अग्रवाल, सहित भारी संख्या में उद्यमी उपस्थित थे।

वेयरहाउस के ताले खुलवाकर निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट परिसर सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में बनाए गए ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सामने वेयरहाउस के सील पैक ताले खुलवाए।

डीएन ने ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के रखरखाव की स्थिति की जांच की। वेयरहाउस में लगी सीसीटीवी कैमरों की कार्य प्रणाली, कंट्रोल रूम और कक्षवार बिजली आपूर्ति का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। इस दौरान जिलाधिकारी ने खिड़कियों और रोशनदान की सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा में लगे अधिकारियों को निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन करना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

वेयरहाउस के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के साथ अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार तथा सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™

ISO 9001:2008

PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077

Add- Office No. 205, Sunrise Tower,Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308